■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-43)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 27 नवंबर, 2023

▶ अपने ही पुत्र से परेशान बुजुर्ग महिला

▶ यूपी के सीएम योगी ने कानपुर उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत

▶ ईडी ने प्रकाश राज को समन भेजा

अडानी ग्रुप से जुड़े गोदामों में लगी भीषण आग

कई जिलों के दमकलकर्मियों ने पाया काबू

सहारनपुर। सहारनपुर में रविवार रात घी तेल और रिफाइंड से भरे गोदामों में आग लग गई। ये गोदाम अडानी ग्रुप से जुड़े बताए जा रहे हैं। आग इतनी भयंकर है कि छह जिलों से दमकलकर्मियों की टीमें आग की लपटों पर काबू पाने के लिए बुलाई गई हैं। बावजूद इसके लपटों पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। सहारनपुर-बेहट रोड पर रसूलपुर गांव पड़ता है। इसी गांव के पास अडानी ग्रुप से जुड़े कुछ गोदाम हैं। ये गोदाम करीब सात बीघा क्षेत्र में स्थित हैं। इनमे फॉर्च्यून कंपनी के घी और तेल के अलावा कई अलग-अलग कंपनियों के आटा, चीनी, तेल और रिफाइंड रखा हुआ था। यहं से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में सप्लाई होती है। जहां ये गोदाम बने हैं इनके आस-पास आबादी क्षेत्र है।आग की लपटों की वजह से आस-पास के इलाकों में धुंआ फैल गया है। टीन शेड के गोदाम होने की वजह से इनकी छतें गिर गई। तापमान बढ़ने की वजह से एक के बाद एक घी-तेल के टीन धमाकों की तरह फट रहे हैं। सीएफओ प्रताप सिंह ने बताया कि देर रात करीब एक बजे आग लगने की सूचना मिली थी। लपटें इतनी भयंकर थी कि हेडक्वार्टर बात करके पड़ोसी जिलों से टीमें बुलानी पड़ी। सहारनपुर के अलावा मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, अमरोहा और बिजनौर की टीमें लगाई गई हैं।आग की लपटों पर काबू पाने का प्रयास चल रहा है। गनीमत है कि अभी तक किसी भी तरह की जानहानि की कोई सूचना नहीं है।

तेलंगाना में सीएम से राहुल गांधी का सवाल

कांग्रेस नहीं, केसीआर बताएं कि उन्होंने राज्य के लिए क्या किया है....

अंडोले (तेलंगाना)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से कहा कि वह सबसे पुरानी पार्टी ने दक्षिणी राज्य के लिये क्या किया, इसपर सवाल उठाने से पहले लोगों को बताएं कि उन्होंने तेलंगाना के लिए क्या किया। गांधी ने यहां एक चुनावी रैली में आरोप लगाया कि केसीआर देश में सबसे भ्रष्ट सरकार चला रहे हैं और पैसा कमाने वाले सभी विभाग राव के परिवार के सदस्यों के पास हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो पार्टी द्वारा दी गई 'छह गारंटी' को कैबिनेट की पहली बैठक में ही कानून का रूप देकर इसे लागू कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, ''आज तेलंगाना में दोराला सरकार (सामंती सरकार) और प्रजाला सरकार (जनता की सरकार) के बीच लड़ाई है। आपके मुख्यमंत्री पूछ रहे हैं कि कांग्रेस ने क्या किया है। सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस ने क्या किया है, सवाल यह है कि केसीआर ने क्या किया है।''उन्होंने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य तेलंगाना में बीआरएस को और बाद में राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को हराना है। राहुल गांधी ने कहा कि हैदराबाद शहर, जहां से राव कथित तौर पर करोड़ों रुपये लूट रहे हैं, उसे कांग्रेस ने विकसित किया और इसे आईटी हब बनाया।

इस्त्राइली सेना के हमले में हमास के चार कमांडर ढेर

उत्तरी गाजा ब्रिगेड कमांडर अहमद अल घनडॉर का भी खात्मा

तेल अवीव । पश्चिमी एशिया में हिंसक संघर्ष जारी है। हमास के आतंकी ठिकानों के निशाना बना रही इस्त्राइली सेना के हमले में हमास के चार कमांडर ढेर हुए हैं। हमास के सैन्य कमांडरों के मारे जाने का दावा मीडिया रिपोर्ट्स में किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस्त्राइली सेना ने उत्तरी गाजा ब्रिगेड कमांडर अहमद अल घनडॉर को भी मार गिराया है। हमास के कमांडरों के मारे जाने का दावा हमास की तरफ से जारी बयान में किया गया।फलस्तीन और गाजा पट्टी पर दावा करने वाला सशस्त्र बल हमास ने रविवार को कहा, %गाजा पट्टी पर उसके चार मिलिट्री कमांडर मारे गए हैं। इसमें उत्तरी गाजा ब्रिगेड के कमांडर अहमद अल घनडॉर भी शामिल हैं।% हमास का बयान युद्धविराम की घोषणा के तीसरे दिन सामने आया है। बता दें कि इस्त्राइल और हमास के बीच जारी हिंसक संघर्ष के 50वें दिन (24-25 नवंबर) युद्धविराम हुआ था। चार दिनों के युद्धविराम में बंधकों को रिहा करने पर सहमति बनी है। अब तक हमास ने दो समूहों में 26 इस्त्राइली बंधकों को वापस लौटाया है। बदले में इस्त्राइल ने 78 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया है ।गाजा में सैन्य कमांडरों के मारे जाने के संबंध में अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अल क़सम ब्रिगेड ने अपने टेलीग्राम चैनल पर बयान जारी किया। इसमें कहा गया अल घनडॉर (अबू अनस) सैन्य परिषद का सदस्य और उत्तरी ब्रिगेड का कमांडर है। घनडॉर उसकी सैन्य परिषद का सदस्य था। मारे गए तीन कमांडरों में अयमान सियाम का नाम भी शामिल है।इस्त्राइली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सियाम ब्रिगेड की रॉकेट-फायरिंग इकाइयों का प्रमुख था इस्त्राइली सेना के साथ संघर्ष जारी रखने का संकेत देते हुए अल कसम ने कहा, हमास कमांडरों के दिखाए रास्ते पर चलता रहेगा। उनका खून मुजाहिदीन के लिए रोशनी और कब्जा करने का इरादा रखने वाले लोगों के लिए आग के समान काम करेगा। घनडॉर को अमेरिका ने 2017 में विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी करार दिया था। नकेल कसने के मकसद से उसे आर्थिक प्रतिबंधों वाली ब्लैक लिस्ट में भी डाला गया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने उन्हें हमास की शूरा परिषद का पूर्व सदस्य और उसके राजनीतिक ब्यूरो का सदस्य बताया। खबरों के अनुसार, इस्त्राइली सेना के साथ जारी इस युद्ध के पहले भी घनडॉर कई आतंकवादी अभियानों में शामिल रहा है। केरेम शालोम सीमा पर इस्त्राइली सैन्य चौकी पर 2006 में हमला हुआ था। इसमें भी घनडॉर शामिल था। हमले में दो इस्त्राइली सैनिक मारे गए थे, जबकि चार घायल हुए थे। इस हमले के बाद इस्त्राइली सैनिक गिलाद शालित का अपहरण भी चर्चा में रहा था। गिलाद को 2011 में मुक्त किया गया था।

26/11 के 15 साल : मुंबई में आतंकियों ने मचाया था कोहराम

मुंबई में 15 साल पहले हुए 26/11 के आतंकी हमलों के बाद भारत के सुरक्षा तंत्र में काफी बुनियादी बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों में समुद्री सुरक्षा को कड़ा करने और खुफिया ग्रिड में खामियों को ठीक करने से लेकर आतंकवाद से निपटने के लिए कानूनी ढांचे को मजबूत करने और आतंकी मामलों की जांच के लिए विशेष एजेंसियों की स्थापना जैसे उपाय शामिल हैं। आइए आइए जानते क्या—क्या उपाय किए गए।26/11 के बाद नौसेना को समुद्री सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी दी गई। भारतीय तट रक्षक को क्षेत्रीय जल का अधिकार दिया। उसे भारत के समुद्र तट पर आने वाले सैकड़ों नए समुद्री पुलिस थानों के साथ समन्वय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। सरकार ने 20 मीटर से अधिक लंबे सभी जहाजों के लिए स्वचालित पहचान प्रणाली रखना अनिवार्य कर दिया है, जो इनकी पहचान और जानकारी जारी करता है इंटेलिजेंस ब्यूरो (आइबी) के मल्टीएजेंसी सेंटर (एमएसी) को मजबूत किया गया है। इसका प्राथमिक काम केंद्रीय एजेंसियों, सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के बीच खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान का समन्वय करना है। सहायक एमएसी को फिर सक्रिय किया। सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए नियमित बैठकें व इसके चार्टर में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को शामिल करने को विस्तारित किया है।आतंकवाद की परिभाषा का विस्तार करने को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम में संशोधन किया। देश में पहली वास्तविक संघीय जांच एजेंसी बनाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) अधिनियम संसद से पारित।

तेलंगाना में जनसभा करने पहुंचे सीएम योगी, बोले-

3 लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है यह प्रदेश

लखनऊ।तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गरम है। सभी दलों के बड़े- बड़े नेता अपने उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करने के लिए पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज तेलंगाना के महबूबनगर में जनसभा करने पहुंचे। जनसभा संबोधित करते हुए सीएम योगी ने बीआरएस सरकार पर निशाना साधा।सीएम योगी ने कहा कि लोगों ने अपनी आहुति देकर राज्य का निर्माण किया। लेकिन पूरा प्रदेश भू- माफिया और माफिया के चपेट में है। इस प्रदेश पर 3 लाख करोड़ का कर्ज है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को तेलंगाना के आसिफाबाद में बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने केसीआर सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार जनता का शोषण कर रही है। तेलंगाना के लोगों को उनका हक नहीं दिया जाता है।

केसीआर सरकार समाज को बांट रही है: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि समाज को बांटने के लिए कोई सरकार इतने हद तक गिर सकती है। यहां की सरकारें मुस्लिम को आरक्षण देने की घोषणा करती है। अनुसूचित जाति, दलित वंचित, लोगों का हक छिना जा रहा है। जो बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर का भी अपमान है, जो ये बीआरएस और कांग्रेस की सरकार कर रही है। उन्होने कहा कि अगर बीजेपी की सरकार आएगी तो मुस्लिम आरक्षण को खत्म करेगी। इसका लाभ दलित, अनुसूचित जाति को देगी।

संपादकीय

डीपफेक का खतरा

हाल के दिनों में सूचना माध्यमों में डीपफेक शब्द सुर्खियों में है। डीपफेक तकनीक के शिकार होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस संकट को लेकर पिछले दिनों प्रधानमंत्री भी चिंता जता चुके हैं। अब सरकार भी सोशल मीडिया कंपनियों को चेता चुकी है कि वे इसके लिये जवाबदेह होंगे और उन्हें सेफ हार्बर नहीं मिलेगा। सरकार इस मामले में कमर कस चुकी है और पंद्रह दिन में नया कानून लाने की बात कर रही है, जिसमें पुराने नियमों में बदलाव करके नये सख्त नियम जोड़ने की बात सामने आई है। उल्लेखनीय है कि इस तकनीक के गलत इस्तेमाल से बने सेलिब्रिटीज के भी कई डीपफेक वीडियो वायरल हुए हैं। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्रा रश्मिका मंदाना, काजोल व कटरीना आदि के नाम सामने आए हैं। दरअसल, ऐसा नहीं है कि डीपफेक के मामले केवल भारत तक ही सीमित हों। विगत में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा व मेटा के मुखिया मार्क जुकरबर्ग भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। दरअसल, डीपफेक बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये किसी की फर्जी तस्वीर या वीडियो बनाया जाता है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमता के एक प्रकार डीप लर्निंग का प्रयोग किया जाता है, जिसके चलते इसे डीपफेक कहा जाता है। दुनिया में अश्लील सामग्री तैयार करने में बड़े पैमाने पर इस तकनीक का प्रयोग किया जाता रहा है। इस मामले में तकनीकी विस्तार से समाज पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। हर साल हजारों की संख्या में डीपफेक वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित होते रहते हैं। दरअसल, इस तकनीक का प्रयोग महिलाओं की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिये किया जाता रहा है, जिसके लिये फिल्म व संगीत से जुड़ी हस्तियों को ज्यादा निशाना बनाया जाता है। कुछ साल पहले भारत में फर्जी वीडियो बनाकर संप्रदाय विशेष के लोगों को टारगेट किया गया था। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ महिलाएं ही इस फर्जी तकनीक का शिकार होती हैं। पुरुष भी इस भ्रमजाल का शिकार बनते हैं। लेकिन सामान्यत- पुरुष ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लेते।

बहरहाल, यह रोग समाज को घुन की तरह खोखला कर रहा है। अब तक ऐसी खबरें आती थी कि विशिष्ट लोगों के चित्रों से छेड़छाड़ की गई है। लेकिन उसकी पहचान हो जाती थी कि खेल नकली है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चलते डीपफेक इतनी चतुराई से तैयार किया जाता है कि सही-गलत का भेद करना मुश्किल हो जाता है, जिसका उपयोग किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिये किया जाता है। चिंता की बात यह है कि विकसित तकनीक के जरिये वीडियो व ऑडियो के सही-गलत का भेद करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि इसका दुरुपयोग धार्मिक व सांप्रदायिक मामलों में किया जाता है तो समाज में अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है। दरअसल, संकट यह भी है कि इस तकनीक के जरिये ऑडियो का भी डीपफेक तैयार किया जाता है। बड़ी हस्तियों की आवाज बदलने के लिये वायस क्लोन्स का इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, आज शातिर लोग बिना कंप्यूटर के मोबाइल से भी डीपफेक वीडियो बनाने लगे हैं, जो साइबर अपराधियों का नया हथियार बन गया है, जिसके जरिये इसका इस्तेमाल भयादोहन व फिरौती वसूलने तक के लिये किया जा रहा है।

गाज़ा में युद्धविराम के यक्ष प्रश्न

गुरुवार दोपहर को कतर विदेश मंत्रालय ने हमास की तरफ से हरी झंडी मिलने की बात कही। फ़िर तय हुआ कि संघर्ष विराम शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा, और 13 इस्राइली बंदियों के पहले समूह को शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा। इस सौदे में सबसे संदिग्ध चेहरा हमास नेता याह्या सिनवार बताया गया है, जिसके वादों पर भरोसा करना इस्राइली पक्ष के लिए मुश्किल है।कुछ सैन्य इतिहासकार इसे अतीत के युद्धविराम से भिन्न मानते हैं। शुक्रवार सुबह 7 बजे तक का समय बढ़ाने और बंदूकों के गरजने से रोकने के पीछे यही रणनीति थी, कि गाज़ा के अधिकाधिक इलाके इस्राइली सैनिकों के हाथ में आ जाएं। इस थ्योरी को आगे बढ़ाने में इस्राइली लालफीताशाही ने भरपूर मदद की है। संघर्षविराम को दो बार स्थगित करने का एक कथित कारण यह था कि समझौते पर कतर और हमास द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किए गए थे, केवल आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई थी कि युद्धविराम पर सहमति हो गई है।

मंगलवार रात को गाज़ा में लड़ाई रोके जाने पर सहमति बनी, बुधवार को घोषणा की गई कि गुरुवार सुबह से युद्ध को अस्थायी रूप से विराम दिया जाएगा। लेकिन लड़ाई रुकी नहीं, बल्कि और तेज़ होने लगी। युद्धविराम से पहले गाज़ा के सिटी सेंटर के जितना करीब संभव हो सके, इस्राइली सैनिकों के पहुंचने की कोशिशें तेज़ हो चुकी थीं। इस्राइली बलों को सेफ्टी कवर देते हुए हवाई बमबारी जारी रही। ऐसे में आप कैसे मान लेंगे कि सब कुछ आसान है, और नेतन्याहू की नीयत साफ़ है?नीयत दूसरी ओर भी साफ़ नहीं है। कतरी मध्यस्थों के माध्यम से हमास से जो स्पष्टीकरण अपेक्षित थे, आरम्भ में वो प्रतिक्रिया देने से चुप रहते थे। गुरुवार दोपहर को कतर विदेश मंत्रालय ने हमास की तरफ से हरी झंडी मिलने की बात कही। फ़िर तय हुआ कि संघर्ष विराम शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा, और 13 इस्राइली बंदियों के पहले समूह को शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा। इस सौदे में सबसे संदिग्ध चेहरा हमास नेता याह्या सिनवार बताया गया है, जिसके वादों पर भरोसा करना इस्राइली पक्ष के लिए मुश्किल है।कुछ सैन्य इतिहासकार इसे अतीत के युद्धविराम से भिन्न मानते हैं। शुक्रवार सुबह 7 बजे तक का समय बढ़ाने और बंदूकों के गरजने से रोकने के पीछे यही रणनीति थी, कि गाज़ा के अधिकाधिक इलाके इस्राइली सैनिकों के हाथ में आ जाएं। इस थ्योरी को आगे बढ़ाने में इस्राइली लालफीताशाही ने भरपूर मदद की है। संघर्षविराम को दो बार स्थगित करने का एक कथित कारण यह था कि समझौते पर कतर और हमास द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर नहीं किए गए थे, केवल आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई थी कि युद्धविराम पर सहमति हो गई है। रिहा किए जाने वाले लोगों की सूची में नामों को स्पष्ट करने में भी लालफीताशाही की अपनी शरारत थी।लगता है कि इस्राइली सैन्य कमान को बता दिया गया था कि युद्धविराम के आदेशों को जितना संभव हो, देर से लागू करो, इस बीच हमास प्रभावित इलाक़ों को हथियाते हुए आगे बढ़ो। दांत दिखाने और खाने के अंतर को आप यहां भी देख सकते हैं। 'आइए लड़ाई रोकें और लोगों का आदान-प्रदान करें', राजनेताओं के ऐसे बयान सुनिये, तो लगता है कि दुनियाभर की अपील काम कर गई है। इस शब्दजाल को इस्राइली सेना भी समझ रही थी, और दूसरी ओर हमास मिलिटेंट्स भी।कतर ने गुरुवार को घोषणा की थी, 'लड़ाई रुकने के ठीक नौ घंटे बाद, बंदियों का पहला जत्था शुक्रवार शाम 4 बजे रिहा किया जाएगा।' लेकिन युद्धक्षेत्र में शाम के समय बंदियों के आदान-प्रदान को सामान्यत: सुरक्षित नहीं माना जाता है। बंदियों के तबादले के बाद हमास के पास ह्यूमन शील्ड की संख्या कम पड़ती जाएगी, ऐसा भी लगने लगा है, क्योंकि ज़्यादातर नागरिक दक्षिणी गाज़ा की तरफ़ शिफ्ट हो चुके हैं। आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) के प्रवक्ता ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि विस्थापित फलस्तीनी नागरिक उत्तर की तरफ़ आने की हिमाक़त न करें। इससे लगता है कि नार्थ का जो हिस्सा आईडीएफ के कब्ज़े में आ चुका है, उसे वो छोड़ने वाले नहीं।यों, 13 नवंबर की रिपोर्टों से पता चलता है कि उत्तरी गाजा में हमास की 10 बटालियनों को नष्ट कर दिया गया था। इसका मतलब है कि उनके कई कमांडर अब जीवित नहीं बचे हैं। गाज़ा में हमास की करीब 24 बटालियनें हैं। इन बटालियनों में 140 कंपनियों के होने का अनुमान लगाया जाता रहा है। एक कंपनी में आमतौर पर 100 लड़ाके होते हैं। 7 अक्तूबर को हमास के पास लगभग 30,000 लड़ाके थे। उनमें से कुछ इस्राइल पर हमला करते हुए मारे गए, कुछ को हिरासत में लिया गया है।सैन्य विशेषज्ञ बताते हैं कि हमास मरीन कमांडो जैसी कई विशेष इकाइयों को समाप्त कर दिया गया है। हमास की मुख्य लड़ाकू इकाई बटालियन स्तर है। जिनमें टैंक रोधी मिसाइलें, स्नाइपर्स, रॉकेट और मोर्टार को एक्टिव करने वाले एक्सपर्ट व सैनिक शामिल हैं। ऐसा लगता है कि गाजा में हमास की कुछ बटालियनें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में समुद्र तट के पास शिफ़ा अस्पताल के आसपास भी आईडीएफ से लड़ाई में 200 हमास मिलिटेंट्स मारे गए, ऐसा वहां के जानकार बताते हैं।हमास के पास उत्तरी गाजा में अपने लड़ाकों को बदलकर नई कुमुक लाने का कोई रास्ता नहीं नज़र आता है। युद्धविराम के बाद संभव है कि वो स्वयं को चारों तरफ़ से घिरा हुआ महसूस करें। शिफ़ा अस्पताल से लगी सुरंग बंद है। दूसरी सुरंगों से मिलने वाले रसद-गोले बारूद का कोई रास्ता नहीं है। हमास का सप्लाई नेटवर्क इतना अवरुद्ध है कि लड़ाके ढीले पड़ने लगे हैं। दूसरी ओर लेबनान बॉर्डर पर हिजबुल्ला के ठिकानों पर इस्राइली हमले के पीछे यही रणनीति है कि उन्हें उलझाकर रखा जाए, ताकि वो हमास की मदद न कर पायें। हिज़बुल्ला लीडरशिप लगातार ईरान के संपर्क में है। तेहरान के आक्रामक तेवर से यही लग रहा है कि युद्धभूमि को उसे शांत नहीं रखना है।ईरानी विदेशमंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान ने गुरुवार को लेबनान में इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन 'हिज़बुल्ला' के महासचिव सैयद हसन नसरुल्लाह से मुलाकात की। ईरानी विदेशमंत्री ने अस्थाई युद्धविराम और बंदियों के आदान-प्रदान में अपनी रणनीति को हिज़बुल्ला लीडरशिप से साझा किया। बाहर पत्रकारों को यही बयान दिया कि इस्राइल डरा हुआ है, जायोनी दुश्मन की पराजय निश्चित है।

लेबनान की यात्रा पूरी करने के बाद ईरानी विदेशमंत्री कतर पहुंच गये हैं, जहां उन्होंने अपने समकक्ष से फलस्तीन युद्धभूमि के बदलते हालात पर विचारों का आदान-प्रदान किया। ईरान इस पूरे माहौल में अपना इकबाल बनाये रखना चाहता है। यह उसकी लीडरशिप की गतिविधियों से स्पष्ट हो रहा है।सबसे बड़ी बात बचे बंधकों को लेकर है। वो कब और किन हालात में छोड़े जाएंगे, यह सब कुछ युद्धस्थल की रणनीतियों पर निर्भर करता है। लंदन स्थित संस्था अल-अरबी-अल-जदीद ने मिस्र के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि हमास रेडक्रॉस के प्रतिनिधियों को उन स्थलों का दौरा करने की अनुमति है।

पनौती बनाम बपौती, कौन किस पर कितना भारी !

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

अगर आप पनौती शब्द को वर्ल्ड कप फाइनल में लाएंगे तो हारने के बाद मोहम्मद सिराज किसी बच्चे की तरह फूट-फूट कर रो रहे थे। उनके आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह मोहम्मद सिराज की तरफ गए और एक बड़े भाई की तरह उन्हें गले से लगा लिया। सिराज भी बुमराह से लिपट गए।

भारत विश्व कप हार गई इसके लिए स्टेडियम में मौजूद प्रत्येक आदमी को मनहूस और पनौती बताते हुए उसे हार का ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता था पर राहुल गांधी ने इशारो इशारो में मोदी कों पनौती कहना शुरू कर दिया जबकि वो भूल गए की मोदी विपक्ष से पहले देश के पीएम भी है जिन्हे ऐसा शब्द कहने से देश की अश्मिता कों भी आघात पहुंचेगी। यह ग़लत है। इस हार के लिए भारत का मनहूस पनौती नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की मज़बूत चुनौती ज़िम्मेदार है। कृपया अंधविश्वास न फैलाइए! पनौती और साढ़े साती में जमीन आसमान का अंतर है। पनौती कुछ नहीं होती किन्तु साढ़े साती बहुत कुछ होती है , तो दो साढ़े साती मिलकर कुल पंद्रह साल हुए तो तीसरा कार्यकाल भी यदि साढ़े साती रही तो मोदी कों मिल रहा क्युकि आपने शब्दों कों गिराकर इसकी शुरुआत कर दी है। भारत की विश्वकप फाइनल में हार के बाद एक शब्द ट्रेंड किया पनौती जो राजस्थान में राहुल गांधी की चुनावी सभा तक पहुँच गया । समय सोशल मीडिया का है । जो सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर जाये वो ही आज का सत्यम शिवम सुन्दरम है।कहा गया कि मोदी टीम की पनौती साबित हुए। कहा गया कि जब तक मोदी मोदी टूर्नामेंट में भारत को खेलते देखने नहीं पहुंचे थे भारतीय टीम की विजय पताका फहरा रही थी । बस मोदी की मौजूदगी ही अपशकुन साबित हुई और अजेय भारत हार गया । मोदी को पसन्द ना करना समझ में आता है मगर उन पर हार का दोष मढ़कर आप अपनी मूर्खता ही साबित कर रहे हैं । मोदी की उपस्थिति उनकी पार्टी की जीत के लिये शुभ है तो क्रिकेट टीम के लिये अशुभ क्यों है? यह शुभ ङ्क अशुभ का खेल मोदी से जुड़ी संघ और भाजपा की सोच को मजबूत करता है । बिना ठोस आधार के भारत को विश्वगुरू घोषित करने वाली सोच के समकक्ष है । ऐसी अन्धविश्वास पूर्ण बातें आपको अवैज्ञानिक सोच के पिच पर खेलने का रास्ता प्रशस्त कर रही हैं । यह रास्ता आपको क्षणिक लोकप्रियता दे सकता है , सोशल मीडिया पर ट्रेंड करा सकता है देश को मजबूत नहीं कर सकता । वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ही देश के विकास का मार्ग छुपा है । सस्ती लोकप्रियता का मोह त्याग कर देश के उत्थान का कठिन मार्ग चुनना ज़रूरी है ।

कर्नाटक विधान सभा चुनाव प्रचार करते मोदी कहते थे की मुझे कांग्रेसियों ने 91 बार गाली दी है वो मेरे लिए टॉनिक का काम करती है अब पनौती कहे जाने पर और मजबूत होंगे। वैसे तो बतौर विपक्ष कल सुबह तक ऑस्ट्रेलिया के सभी खिलाड़ियों के घर पर सीबीआई की रेड पड़ जानी चाहिये। ये ईडी बीडी वाले किस काम के लिए रखे गए हैं? और ऑस्ट्रेलिया का नाम बदल कर अस्त्रावली हो जाय तो बेहतर! इन्हें छोड़ा नहीं जाना चाहिये। और हाँ! हम इस खेल की कड़ी निंदा करते हैं। हमने चुकी खेल देखा, इसलिए हम अपने आप की भी निंदा करते हैं। मध्य प्रदेश में चुनावी भाषण में हाल ही में इशारों में राहुल गांधी को महामूर्ख कहा था और पहले बीजेपी की ट्रोल आर्मी ने राहुल गांधी को पप्पू और ,पार्ट टाइम नेता और टीवी आदि कहते रहते थे। तो भाषाई स्तर तो बहुत पहले गिर चूका है। लेकिन भारत जोड़ों यात्रा के बाद सब कुछ बदल गया है। उनको गुजरात कोर्ट से उन पर पूर्णेश मोदी सूरत से बीजेपी के विधायक के मानहानि के मुकदमें में 23 मार्च 2023 को 2 साल की अधिकतम सजा और ?15000 रूपए जुर्माना की सजा मिली जिसे सूरत के सेशन कोर्ट और गुजरात हाई कोर्ट ने बहाल रखा । उसी दिन फैसला लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला के पास गुजराती भाषा से अंग्रेजी में अनुवादित 172 पेज का फैसला भी आश्चर्यजनक रूप से दिल्ली स्तिथ लोक सभा सचिलवालय भी पहुंच गया। इसके फौरन बाद लोक सभा सचिवालय ने 24 मार्च 2023 को 23 तारीख से ही राहुल गांधी के केरल राज्य के वायनाड लोक सभा सीट की सदस्यता को समाप्त कर दिया और चुनाव आयोग को भी सूचित कर दिया। लोक सभा के सचिवालय और चुनाव आयोग के वेबसाइट से उनके बारे में सभी सूचनाओं को भी हटा दिया । इसके फ़ैरन बाद राहुल गांधी को तुगलक लेन स्तिथ सरकारी मकान को खाली 30 दिन में कर दें और राहुल ने निर्धारित समय के भीतर खाली कर दिया और साथ साथ मकान से जुड़े सारे बनकाए रकम को अदा करके रसीद ले लिया और मकान को बंद करके एस्टेट विभाग को चाबी सौंप दिया । सारे कार्यवाही की वीडियोग्राफी करा ली। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट से उनको राहत मिली और उनकी सजा पर रोक लगा दिया तथा गुजरात कोर्ट के फैसले पर तल्ख टिप्पणी भी की है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी की सांसदी तत्काल प्रभाव से बहाल करके अधिसूचित कर दिया और सभी संबंधित विभागों को भी सूचना दे दी।

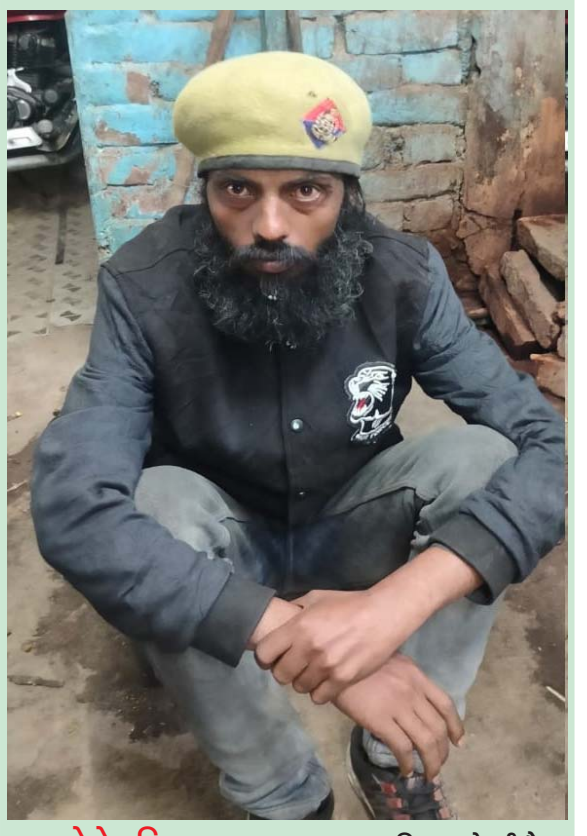

फोटो परिचय-यह महाशय आज पुलिस वाले की हैट लगा काफी गदगद दिख रहे है। इन्होने यह जान लिया कि अब हम ही बेकनगंज थाना बजरिया के सिपहसलार है। इनका बैक ग्राउंड ये है कि यह कुछ दिमागी तौर पर कुंद भी है और टोला पड़ोस मे जाकर खाना मांग कर अपना जीवन बसर करता है। इनका ठिकाना तालिब होटल है।

रेलवे द्वारा ट्रेन में हाकर्स को लाइसेंस देने की तैयारी

गोंदिया ।वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयंकर प्रसार के बीच भारतीय केंद्रीय वित्त बजट में हॉकर्स के लिए बिना किसी जमानत या गारंटी के लोन की घोषणा की गई थी उसके बाद बजट 2023 में भी हाकर्स के लिए प्लान थ ।जिसके फायद अनकों हॉकर्स ने लिए और लेना चालू भी है परंतु जिस तरह मीडिया में 28 नवंबर 2023 को रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑफर्स लगाने की बात मीडिया से छान छान कर आ रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि अब रेलवे विभाग ट्रेन में हॉकर्स को खाद्य सामग्री बेचने के लिए लाइसेंस देने की तैयारी कर रही है। बता दे,पहले फेरीवाले रेलवे स्टेशनों पर और ट्रेन में सवार होकर स्थानीय उत्पाद बेचते थे, जिनमें ज्यादातर खाने-पीने का सामान होता था। हालांकि, वे रजिस्टर्ड नहीं थे और सुरक्षा और स्वच्छता दोनों चिंताएं जुड़ी हुई थीं. रेलवे ने उन्हें हटाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान भी चलाया जिससे उनका ट्रेन में चढ़ना और यहां तक कि स्टेशन पर भी घूमना मुश्किल हो गया था। परंतु अभी रेलवे का मुंबई जोन में लोकल ट्रेनों में खान-पान का सामान बेचने का लाइसेंस देने की तैयारी कर रही है, जो अभी फिलहाल दो हज़ार को दिया जाएगा जिसमें पड्र हज़ार होकर लोकल ट्रेनों में जबकि पांच सौ होकर लंबी दूरी की ट्रेनों में 3 साल की अवधि तक बेचने की अनुमति होगी। अब सवाल उठता है कि ट्रेनों में इतनी भारी भीड़ के बावजूद फेरीवालों को लाइसेंस देना चुनौती पूर्ण कार्य है। हालांकि रेलवे को इससे बड़ा लाभ होगा, एक और स्त्रोत खुलेगा परंतु यात्रियों और यात्रियों की परेशानियों को ध्यान में रखना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे ट्रेन में हॉकर को लाइसेंस देने के पहले यात्रियों की सुरक्षा स्वास्थ्य परेशानी और सुविधाओं को रेखांकित करना जरूरी है।साथियों बात अगर हम मुंबई में लंबी दूरी की ट्रेनों, लोकल ट्रेनों में फेरीवालों को लाइसेंस देने पर विचार करने की करें तो, मुंबई में अब भीड़ भरी लोकल ट्रेनों में हक से सामान बेचेंगे हॉकर्स, रेलवे बना रही ये योजना, हॉकर्स को इन ट्रेनों में सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक ही सामान बेचने की अनुमति होगी, जबकि लोकल ट्रेनों में खान-पान का सामान भी मिलेगा और समय की कोई सीमा नहीं होगी।स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण करने के लिए स्टॉल्स और रेलवे के दफ्तरों को शिफ्ट करने वाली मध्य रेलवे जल्द ही भीड़ भरी लोकल ट्रेनों में सामान बेचने के लिए हॉकर्स को लाइसेंस देने की तैयारी कर रही है। जल्द ही मुंबई की लोकल ट्रेनों में चाय, समोसे और कटी हुईं सब्जियां बेचते हुए लाइसेंसधारी हॉकर्स नजर आएंगे। इसके लिए 28 नवंबर के दिन रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर बोलियां लगाई जाएंगी। एक अधिकारी ने बताया कि गैर यात्री किराया के तहत राजस्व प्राप्त करने के लिए यह योजना लाई जा रही है। इन्हें मुंबई डिविजन में ही सामान बेचने की अनुमति दी जाएगी। उपगनरीय और गैर उपनगरीय ट्रेनों के लिए अलग से बोलियां लगाई जाएंगी। हॉकर्स को 3 साल तक सामान बेचने की मंजूरी मिलेगी। गैर उपनगरीय ट्रेनों में खान-पान का सामान बेचने की अनुमति नहीं होगी।, कहीं स्टेशन न बन जाएं हॉकर्स जोन,रेलवे की ओर से हॉकर्स की संख्या निर्धारित की गई है। इस तरह की संख्या बीएमसी द्वारा भी तय की गई है लेकिन मुंबई में लाइसेंसधारी हॉकर्स से करीब 20 गुना ज्यादा हॉकर्स हैं, इन पर अब बीएमसी का भी नियंत्रण नहीं है। पिछले कुछ सालों से मुंबई में हॉकर्स जोन बनानी की मांग हो रही है ऐसे में रेलवे स्टेशनों पर हॉकर्स को लाइसेंस देने के बाद ट्रेनों में और स्टेशनों पर हॉकर ज़ोन बनने की आशंका जताई जा रही है। बता दें लोकल ट्रेन को मुंबई की धड़कन कहा जाता है। सुबह और शाम के समय लोकल में सफर करना किसी चुनौती से कम नहीं होती है। डिब्बे में सांस लेने तक की जगह न होने के बावजूद कई बार कुछ लोग आपको सामान बेचते मिल जाएंगे। हालांकि इन हैंकरों को सामान बेचने की इजाजत नहीं होती लेकिन अब रेलवे लोकल में हॉकर्स को लाइसेंस देने की योजना बना रही है। इस बीच मुंबई लोकल में खाना बेचने और परोसने का विडियों यानी चलता फिरता रेस्टोरेट का विडियों भी आ गया जो सबको हैरान कर रहा है।

साथियों बात अगर हम लोकल ट्रेनों, स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रित करने की करें तो, लोकल स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रित करने के मकसद से रेलवें ने कई स्टेशनों से स्टॉल्स और रेलवे के दफ्तरों को हटा दिया दिया है। भीड़ कम करने के मकसद यह कदम उठाने वाली मध्य रेलवे अब जल्द ही भीड़ भरी लोकल ट्रेनों में सामान बेचने के लिए हॉकर्स को लाइसेंस देने की तैयारी कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर 28 नवंबर को इसके लिए बोलियां लगाई जाएंगी। इसके तहत रेलवे राजस्व बढ़ाना चाह रही है।साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुंबई की लोकल ट्रेनों में एक चलता फिरता रेस्टोरेंट की चर्चा करें तो, लाइसेंस दिए जाने के पहले ही मुंबई की लोकल में एक चलता फिरता रेस्टोरेंट इस समय सोशल मीडिया में खूब चर्चा में है। मुंबई की लोकल में दो लड़कों ने मुंबई लोकल में चलता फिरता रेस्टोरेंट ही खोल दिया।सोशल मीडिया में इन लड़कों द्वारा शेयर किये गए वीडियो में दोनों ने एक लोकल ट्रेन के डिब्बे में एक छोटी सी फोल्डिंग टेबल लगाई और उसे कपड़े से ढक दिया। इसके बाद उन्होंने बाकायदा यात्रियों को मेन्यू दिया। जैसा कि वीडियो में देख सकते हैं कि इसके बाद उन्होंने यात्रियों को केचप के साथ मैगी और अजवायन के साथ जलेबी परोसी।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

आंगनबाडी केन्द्र के बच्चों को मिलेगा अब हॉट कुक्ड मील

बीपीएस न्यूज

कानपुर । जनपद में शुक्रवार को नगरीय व ग्रामीण विकास खंडों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग विभाग द्वारा 'हॉट कुक्ड मील योजना' का शुभारंभ किया गया। जनपद स्तर पर विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ ।

विकासभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभी उपस्थित अधिकारी-कर्मचारीगणों द्वारा देखा गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश प्रताप सिंह (डीपीओ) ने बताया कि जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में 11 बच्चों को योजना के अन्तर्गत टिफिन प्रदान करके योजना का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी व अन्य अधिकारियों कर्मचारियों एवं आंगनबाडी कार्यकर्त्रियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसके साथ ही सभी विकासखण्डों यथा सरसौल में विधानसभा अध्यक्ष उ0प्र0 के प्रतिनिधि एवं ब्लाक प्रमुख द्वारा ऐमा व नवोदय नगर में, विकासखण्ड विधनू में खेरसा में विधायक बिठूर के प्रतिनिधि, कल्याणपुर में सिंहपुर कछार में ब्लाक प्रमुख, बिल्हौर में गोहिलयापुर में ब्लाक प्रमुख एवं शिवराजपुर में मानाताला, काकूपुर निहाल में ब्लाक प्रमुख एवं सभी अन्य विकासखण्ड यथा ककवन, चैबेपुर, पतारा, भीतरगांव, एवं घाटमपुर में अन्य जनप्रतिनिधियों की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन कर योजना का शुभारम्भ किया गया। डीपीओ ने कहा कि इस योजना के तहत जिले में 954 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को निर्धारित मेन्यू के जरिये गर्म पके भोजन से लाभान्वित किया जा रहा है। इस योजना से शिक्षा प्राप्त करने वाले पंजीकृत बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ बेहतर प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान की जाएगी जिससे यहाँ पढ़ने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कुपोषण के स्तर कम करने एवं शिक्षा व स्वास्थ्य का स्तर बढ़ाने का हर संभव प्रयास कर रही है।

इसी को देखते हुये आंगनबाड़ी केन्द्रों पर भी पंजीकृत तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण तत्वों और मोटे अनाज से बने व्यंजनों को केंद्र पर गर्म और ताजा भोजन खिलाने की शुरुआत की जा रही है। इससे बच्चे पूरे समय तक आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रुकेंगे, पढ़ाई भी करेंगे। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की संख्या भी बढ़ेगी।सजीव प्रसारण के अन्तर्गत सभी को अवगत कराया गया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा हॉट कुक्ड मील योजनान्तर्गत प्रतिदिन प्रतिलाभार्थी 70 ग्राम खाद्यान्न (गेंहू/चावल) से गर्म पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जायेगा। हॉट कुक्ड मील योजना का मेन्यू एम0डी0एम0 के मेन्यू की भांति ही होगी, जिसके अन्तर्गत सोमवार को रोटी व सोयाबीन युक्त सब्जी, मंगलवार को सब्जी युक्त चावल व दाल, बुद्धवार को सोयाबीन की बडी युक्त तहरी, गुरूवार को रोटी एवं सब्जी युक्त दाल, शुक्रवार को मौसमी सब्जी एवं सोयाबीन की बडी युक्त तहरी तथा शनिवार को सब्जी चावल सब्जी युक्त दाल का वितरण आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से आंगनबाडी केन्द्र के 03 से 06 वर्ष के बच्चों में किया जायेगा।

पांच हजार क्षमता वाली नई जेल के निमार्ण की कवायद हुई तेज

पीडब्ल्यूडी विभाग के की टीम ने शुरू किया नामजोख का काम।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पिछले काफी समय से यह मांग चल रही थी कि जनपद में बंदियों के लिए नई जेल का होना आवश्यक है। इसके प्रयास भी किये जा रहे थे, लेकिन अब नई जेल निमार्ण के लिए कवायद तेज कर दी गयी है। इसके लिए हाथीगांव, सरसौल, फुफुवार तथा सुइथोक गांव की 42 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण भी कर लिया गया है। वहीं ग्राम समाज की 21 हेक्टेयर भूमि होने के कारण उसे पुनर्ग्रहण किया गया है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा नई जेल का निर्माण किया जायेगा।

सारसौल क्षेत्र में अपराधी बंदियों के लिए नई जेल जल्द ही बनकर तैयार हो जायेगी। नइ जेल बनाने का कार्य पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जायेगा। इसके लिए जहां भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है तो वहीं विभागी टीम द्वारा निमार्ण स्थल पर पहुंचकर नाप-जोख का काम भी शुरू कर दिया गया है। बतातें चले कि कानपुर की जेल सरसैयाघट चौराहे पर स्थित है। अधिक बंदी होने के कारण अ बहां दिक्कतों का सामना करना पडता है तथा इस जेल में क्षमता के अधिक बंदी है, जिसके भोजन और अन्य व्यवस्थाओं को पूरा करने में काफी परेशानी हो रही है। एसे में काफी समय से नई जेल की मांग की जा रही थी और उसी समय में नई जेल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की भी प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी थी। विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार आने वाले नए वर्ष में नई जेल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा। यह भी बताया गया कि नई जेल में बंदियों की सुधारने के लिए कई विशेष कार्यक्रम उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा चलाये जायेगे। बंदियों को जूट के उत्पादों को बनाना सिखाया जायेगा साथ ही उन उत्पादों को बाजारे में बेंचा जायेगा।

ओम जन सेवा संस्थान द्वारा महारथी सम्मान समारोह

कानपुर। ओम जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में महारथी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन जाजमऊ स्थित केडीए कॉलोनी में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शहर के प्रमुख समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल को प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया। सम्मान में कानपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सरस बाजपेई डॉक्टर अवध दुबे समेत शहर के प्रमुख 54 समाजसेवियों को अंग वस्त्र तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार तो अपना दायित्व निभाती है लेकिन जरूरतमंदों की सेवा करना यह काफी पुण्य

का काम है उन्होंने समाजसेवियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि समाज के हित के लिए जो भी कार्य किया जाएगा उसकी मदद के लिए वह हमेशा आगे रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित मुरारी लाल अग्रवाल ने कहा कि जिस किसी जरूरतमंद को उनकी आवश्यकता महसूस हो वहां उनसे जाकर संपर्क कर सकते हैं उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि कोई भी जरूरतमंद निराश होकर नहीं लौटेगा। कार्यक्रम मैं प्रमुख रूप से संस्था की संस्थापिका अध्यक्ष शिवदेवी अग्रहरि (सीमा) वरिष्ठ समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल कैलाश पांडे करनाल समीर कौशिक आदित्य राज अग्रहरि अन्य गुप्ता आकाश गुप्ता शैलेंद्र गुप्ता नमिता सिंह भावना श्रीवास्तव बिंदु सर्वोत्तम तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने कार्तिक पूर्णिमा मेला बिठूर-2023 की तैयारियों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा आज नगर पंचायत बिठूर में आयोजित किए जा रहे कार्तिक पूर्णिमा मेला बिठूर-2023 की तैयारियों के दृष्टिगत ब्रम्हावर्त घाट एवं मेला स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कार्तिक पूर्णिमा मेला बिठूर-2023 के सुचारू रूप से आयोजित किए जाने हेतु उपस्थित अधिशाषी अधिकारी बिठूर यह सुनिश्चत करें कि ब्रह्मावर्त घाट के साथ-साथ अन्य घाटों में फ्लोटिंग बैरियर लगाए जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें। ब्रह्मावर्त घाट के साथ-साथ बिठूर के अन्य घाटों एवं मेला स्थल की समुचित साफ-सफाई कराए जाने हेतु नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम एवं जिला पंचायत राज अधिकारी से समन्वय स्थापित कर सफाई कर्मचारियों की तैनाती की जाए तथा लगातार सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पूजा सामग्री के अवशेषों के समुचित निस्तारण हेतु गंगा नदी तट पर पर्याप्त संख्या में अर्पण स्थल स्थापित किए जाएं तथा नदी तट एवं घाटों में स्वच्छता बनाए रखने हेतु पर्याप्त साइनेज बोर्ड एवं गंगा टास्क फोर्स एवं अन्य वोलेन्टियर की तैनाती की जाए। कार्तिक पूर्णिमा मेला बिठूर-2023 के दृष्टिगत अधिशासी अधिकारी, बिठूर यह सुनिश्चित करें कि घाटों एवं मेला स्थल पर पर्याप्त मोबाइल शौचालय एवं पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकर की उपलब्धता रहे।

अधिशासी अधिकारी, बिठूर यह सुनिश्चित करें कि ब्रह्मावर्त घाट में स्थापित चेंजिंग रूम की साफ-सफाई, साइन बोर्ड एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था कराते हुए मेला स्थल तथा अन्य घाटो में भी अस्थाई चेंजिंग रूम बनाए जाएं। कार्तिक पूर्णिमा मेला बिठूर-2023 के दृष्टिगत सहायक पुलिस आयुक्त, कल्याणपुर यह सुनिश्चित करें कि मेला स्थल एवं ब्रम्हावर्त घाट को जाने वाले मार्ग को नो वेहिकल जोन घोषित करते हुए वाहनों की समुचित पार्किंग हेतु स्थान चिन्हित किया जाए। अधिशाषी अधिकारी, बिठूर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए चकर प्लेट मंगवाना सुनिश्चित करें ताकि घाट से मेला स्थल में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मेला स्थल एवं ब्रम्हावर्त घाट में अलग अलग कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए।

जिसमें सीसीटीवी कैमरे से लगातार निगरानी एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम से एलाउंसमेट होता रहे। साथ ही मेडिकल हेल्थ कैम्प एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी आपूर्ति अजीत कुमार सिंह, अपर नगर मजिस्टेट ऋतुप्रिया, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम एवं अधिशासी अभियंता बिठूर समेत अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आये दिन छीना-झपटी और लूट की हो रही घटनाये, महिलाओं को बनाया जा रहा निशाना

रामादेवी, पीएसी मोड बाईपास, यशोदानगर चौराहा, नौबस्ता चौराहे पर बदमाशों का गिरोह सक्रीय, लूट में बाइक का इस्तेमाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। कानपुर में एक बार फिर पुलिस निगरानी और क्रियाकलाप फेल होते नजर आ रहे है। शहर के बाहरी क्षेत्रों में लगातार लूट-पाट, छीना-झपटी की घटनाये लगातार बढती जा रही है। दो दिन पूर्व ही रामादेवी चौराहे पर एक महिला की चैन बाइकसवार बदमाशों ने लूटी थी, कि एक और वारदात को कल शनिवार को बदमाशों ने एक और घटना को अंजाम देते हुए रामादेवी से यशोदानगर हाईवे के बीच में महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया।रामादेवी के साथ ही सनिगंवा, न्यू आजाद नगर का क्षेत्र अपराधियों का गढ बनता जा रहा है और इसी क्षेत्र में अधिकाश लूट भी हो रही है। पीएसी मोड श्यामनगर बाइपास पर कल शनिवार को ई-रिक्शा से आ रही एक महिला के साथ लूट की घटना हो गयी। पीडिता महिला ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ अपने रिश्तेदार के घर जा रही थी और वह रामादेवी से ई-रिक्शा पर बैठी तथा उसके पीएसीमोड बाईपास हंस मंदिर के पास उतरना था। महिला ने बताया कि रामादेवी से बाइक पर दो युवक उसके पीछे लग गयी और हंसमंदिर चौराहे पर बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला के गले से उसका सोने का मंगलसूत्र तोड लिया। महिला शोर मचारी रही और बदमाश बाइक से फरार हो गए। वहीं ईरिक्शा चालक भी अचानक फरार हो गया। महिला ने बताया कि बदमाश उसका पीछा कर रहे थे तब ईरिक्शा चालक से रिक्शा धीमे या तेज चलाने को कहा लेकिन उसने अनसुनी कर दी। महिला ने आंशका व्यक्त की कि ईरिक्शा भी उन बदमाशों के साथ मिला हुआ था। इसी प्रकार दूसरी वारदात में नौबस्ता हमीरपुर रोड पर एक महिला से लूट हुई और यहां भी बाइक सवार लुटेरों ने महिला का पहले मोबाइल छीनने का प्रयास किया फिर मंगलसूत्र पर झपटटा मारा और फरार हो गये।

चौराहे पर हमेशा रहती है पुलिस

रामादेवी मुख्य चौराहा है और शायद लाखों लोग प्रतिदिन इस चौराहे से निकलते है। यातायात व्यवस्थित रखने के लिए यहां काफी पुलिस के सिपाही, ट्राफिक हवलदार भी होते है। इसी प्रकार श्यामनगर बाइपास, यशोदानगर, नौबस्ता बाईपास पर भी पुलिस के सिपाही मौजूद रहते है लेकिन इतनी भीड-भाड व पुलिस की उपस्थित में लुटेरे लगातार लूट की घटना को अंजाम देते जा रहे है।

चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल सहित 02 चोर गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर । पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त साउथ व अपर पुलिस उपायुक्त साउथ के निर्देशन में व सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता के निकट पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी के नेतृत्व में 23 नवंबर को वादी नसीम अंसारी पुत्र मो0 ताहिर नि0 ग्रा0 व पो0 मर्दनपुर कानपुर नगर मो0नं0-7905116050 द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल मोटर साइकिल नं0 क्र78 ष्ष्ट.6885 चोरी हो जाने की तहरीर दी गयी थी जिस पर थाना हाजा पर मु0अ0स0 284/23 धार 379 भा0द0वि पंजीकृत कर त्वरित कार्यावाही करते हुये थाना हाजा से एक टीम गठित कर अभियुक्तगण सलमान पुत्र गुलामुल हुसैन निवासी मो0 छपरिया थाना रामगढ़ जिला फिरोजाबाद हाल पता ग्राम मर्दनपुर थाना गुजैनी कानपुर नगर उम्र 18 वर्ष मो0 सोहेल पुत्र आजाद अली निवासी ग्राम मर्दनपुर थाना गुजैनी कानपुर नगर उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार कर व उनके कब्जे से चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल मोटर साइकिल नं0 क्र78 ष्ष्ट.6885 को 24 घण्टे के अन्दर बरामद कर लिया गया। अभियुक्तगणो को न्यायालय पेश किया जा रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पूर्व प्रधान व युवक की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, कानपुर के घाटमपुर क्षेत्र में कल की बीती रात कई मार्ग हदसे हुई, जिसमें दो लोगों की जान चली गयी तो कई लोगों को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल भेजा गया। जहां घायलों को ईलाज के लिए हैलट भेजा गया तो घटना स्थल पर पहुंच पुलिस द्वारा हादसे में मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पहली घटना में थाना सजेती क्षेत्र के धरमंगदपुर ग्राम के रहने वाले 48 वर्षीय जीवन प्रकाश बाइक से अपने निजी काम के लिए सजेती गये हुए थे। बताया जाता है कि देर रात जब वह अपने घर वापस लौट रहे थे कि एक अज्ञात वाहन ने उन्हे टक्कर मार दी, जिससे जीवन प्रकाश अपनी बाइक सहित सडक पर गिर गये और गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हे गंभीर अवस्था में हमीरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने जीवन प्रकाश को मृत घोषित कर दिया। मृतक को पूर्व प्रधान बताया जा रहा है। इसी प्रकार दूसरी घटना भी थाना घाटमपुर क्षेत्र के जहांगीराबाद के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से 25 वर्षीय युवक जो केवडिया का रहने वालाथा उसकी मौत हो गये। मृतक का नाम आदर्श बताया जाता है।

आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

कानपुर, पुलिस आयुक्त पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन एवं अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी एवं सहायक पुलिस आयुक्त के कुशल निर्देशन मे दिनांक 21.11.2023 को वारंटी /अभियुक्त अबरार कबाड़ी पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी लाल डिग्गी थाना रेलबाजार कानपुर नगर उन करीब 40 वर्ष, मो0 शकील उर्फ धन्नो पुत्र स्व0 मो0 शत्तीम निवासी खपरा मोहाल महिपत नगर थाना रेलबाजार कानपुर नगर उम्र करीब 40 वर्ष रेलबाजार ता0पेशी सम्बन्धित न्यायालय सीएमएम कानपुर नगर को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। वारण्टी अभियुक्तगण उपरोक्त को समय से सम्बन्धित न्यायालय में पेश किया गया !नाम पता वारण्टी/अभियुक्तअल्ताफ अहमद पुत्र अब्दुल कुदुश निवासी 216 चन्दारी सुजातगंज थाना रेलबाजार कानपुर नगर उम्र लगभग 62 वर्ष, मो0 शकील उर्फ धन्नो पुत्र स्व0 मो0 शलीम निवासी 573/63 खपरा मोहाल महिपत नगर थाना रेलबाजार कानपुर नगर उम्र करीब 40 वर्ष गिरफ्तारी करने वाली टीम का विवरण उ0नि0 सुरदीप सिंह डागर, विपिन कुमार, गुलाब सिंह, उपस्थित रहे!

कानपुर देहात पहुंचे बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री,बोले

हिंदू राष्ट्र कागजों पर नहीं हिंदुओं के दिलों में चाहिए

बीपीएस न्यूज

कानपुर के बाद कानपुर देहात के रंजीतपुर में बने पवन तनय आश्रम बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूजा अर्चना करते हुए साधु संतों से मुलाकात करी। वही उनके पहुंचने की खबर मिलने के बाद घंटे से खड़े श्रद्धालुओं से उन्होंने आश्रम की छत पर खड़े होकर बातचीत करी और लोगों से वादा किया कि जल्द ही वह दोबारा सभी से मुलाकात करने के लिए आएंगे।इस दौरान आश्रम के बाहर मौजूद पत्रकारों से भी बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने मुलाकात करते हुए बातचीत करी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जब तक आपके जैसे पढ़े-लिखे व बुद्धिमान लोग नहीं जागेंगे तब तक हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। इस लिया जितने भी लोग हैं वह जल्द से जल्द जाग जाए। उन्होंने कहा कि वह तो चाहते हैं कि जल्द से जल्द हिंदू राष्ट्र बने लेकिन हिंदू राष्ट्र कागजों पर नहीं हिंदुओं के दिलों में चाहिए। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा जल्द ही दोबारा आश्रम में वह कथा करने जरूर आएंगे।

चुनाव के सवाल से किया किनारा

बागेश्वर धाम के महंत पंडित धीरेंद्र शास्त्री इस दौरान पत्रकारों के राजनीतिक सवालों से वह बचते हुए नजर आए और उन्होंने कहा कि वह राजनीति व चुनाव के ऊपर किसी भी प्रकार की कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। लेकिन वही 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर पूछेगा सवाल का उन्होंने कहा कि पहले अर्जी लगाओ आकर फिर इस का जवाब मिलेगा।

राहुल का बयान सरासर सनातन धर्म विरोधी: पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व डिप्टी सीएम और राज्य सभा सांसद दिनेश शर्मा शनिवार को कानपुर पहुंचे। कानपुर सनातन यात्रा में सम्मलित होने आये दिनेश शर्मा ने जमकर विपक्ष पर कटाक्ष किया तथा कहा कि प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाना अशोभनीय है। उन्होने पिक्ष को समनातन धर्म के लिए खतरा बताते हुए कहा कि विपक्ष सनातन धर्म को समाप्त करने के लिए खडा है।

पत्रकारों से बात करते समय पूर्व डिप्टी सीएम ने सनातन के खिलाफ बोलने वाले नेताओं को कथित नेता की संज्ञा दे डाती और कहा कि अखिलेश सनातन के खिलाफ बोलने के लिए अपने नेताओं को उकसाने का काम करते है तो वहीं कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ दिया गया राहुल गांधी का बयान सरासर सनातन धर्म विरोधी है। उन्होने कहा कि आगामी 22 जनवरी को जब भव्य राम मंदिर समारोह होगा तो सभी का मुंह बंद हो जायेगा। उन्होने ईशारों में कहा कि लोग कते थे कि राम मंदिर नही था और न ही रामसेतु था। उन्होने यह भी कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ में हो रहे चुनाव के नतीजे बता देंगे कि किसी किसकी हार हुई किसकी जीत। वहीं कानपुर से लोकसभा प्रत्याशी बनाये जाने से प्रश्न पर उन्होने कहा कि जो सनातन मार्ग पर चलकर बढाने का काम करेगा

एडीजी रेलवे ने सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए गुरुवार को जय नारायण सिंह एडीजी रेलवे कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे जहां पर रेलवे स्टेशन व परिसर में बने कंट्रोल रूम और अन्य जगहों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उनके साथ आरपीएफ जीआरपी व रेलवे के की अधिकारी भी मौजूद रहे,मीडिया से बातचीत के दौरान एडीजी रेलवे जय नारायण सिंह ने बताया कि कानपुर के रेलवे जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर एक गोष्ठी की गयी जिससे कि सभी का आपस में समन्वय बना रहे ताकि रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत हो सके एडीजी रेलवे ने बताया कि कानपुर के रेलवे परिसर में अब और भी अच्छे कैमरे लगाए जाने की निर्देश दिए हैं जिससे कि कोई आपत्ती जनक लोगों की पहचान अच्छे से हो सके और उसपर कार्यवाही हो सके ।

सांसद ने छायादार चबूतरे का किया उद्घाटन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुवार को भाजपा सांसद कसत्यदेव पचौरी के प्रतिनिधि अनूप पचौरी ने केशव मधुवन वाटिका, केशव नगर में छाया दार चबूतरे व तीन शेड उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद श्री पचौरी ने कहा कि जनता के प्रतिनिधि होने के नाते हमे जनता की हर समस्या का समाधान करने के साथ ही नगर का चहुमुखी विकास भी करना है।उद्घाटन के दौरान सांसद ने कहा कि यातायात,पर्यावरण,प्रदूषण, स्वास्थ,जन सुविधाओं पर हम विशेष रूप से केंद्रित है। हमारे संसदीय क्षेत्र के लोग हमारे केवल वोटर नही है बल्कि हमारे परिवरीजन है। समिति के महासचिव राजेन्द्र अवस्थी ने बताया कि वाटिका में पूरे वर्ष नियमित योग कक्षा लगती है किंतु वर्षात के दिनों में और जब जाड़े में ज्यादा ओस गिरती है तब छाए की आवश्यकता पड़ती है।सांसद सत्य देव पचौरी ने स्थानीय निवासियों की आवश्यकता देखते हुए छाया दार चबूतरे के निर्माण का शुभारम्भ किया। सचिव राजेन्द्र अवस्थी ने कहा कि मैं समिति की ओर से उन्हें हृदय से धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूं। उद्घाटन समारोह में प्रमुखरूप से पार्षद आरती गौतम,अवधेश त्रिपाठी, राजेश्वरी दुबे,प्रेमलता सिंह, मोहनी बाजपेई, जयंती बाजपेई,श्याम बिहारी शर्मा, राम उत्तम,रोशन लाल वर्मा, पी के त्रिपाठी, पी एन तिवारी,राज कुमार शर्मा,आर पी पाण्डेय, बी के तिवारी, बी के बाजपेई, आर सी श्रीवास्तव, डी के निगम,ओम प्रकाश गौतम,आदि उपस्थित रहे।

युवतियों ने की शोहदे की जमकर धुलाई

युवती के मोबाइल पर करता था मैसेज, मिलने के लिए बुलाता था

बीपीएस न्यूज

कानपुर। काकादेव सहित शारदा नगर क्षेत्र कोचिंग हब के नाम से जाना जाता है, जहां पूरे प्रदेश से युवक-युवतियां पढने आते है और यहीं पर कमरा किराये पर लेकर अपनी पढाई करते है। इसी प्रकार विनायक पुर में भी स्टूडेंट युवक और युवतियां पढाई करने को किराये पर कमरा लेकर ठहरते है। विनायकपुर में शोहदे को युवती ने सहेलियो संग जमकर पीटा और मुर्गा बनाया।जिससे मोहल्ले में भीड एकत्र हो गयजानकारी के अनुसार विनायकपुर में एलएमको हाउसिंग सोसाइटी में बने राम कुमार सचान के मकान में पढने वाला शोहदा रहता था, इसी प्रकार पास में ही ज्ञानचद्र के मकान में कुछ पढने वाली छात्राओं ने भी कमरा किराये पर ले रखा है। बताया जाता है कि शोहदे युवक ने किसी प्रकार एक युवती का मोबाइल नम्बर प्राप्त कर लिया और उसे मैसेज करने लगा। मैसेज द्वारा ही छात्रा के मना करने पर युवत और मैसेज भेजने लगा और मिलने की बात करने लगा। बताया जाता है कि युवतियों ने उस व्यक्ति से यह बात बताई जिसने इन्हे किराये के मकान में रखवाया गया और फिर शोहदे छात्र को बुलाया गया और युवती ने अपनी अन्य सहेलियों के साथ वाइपर, झाडू और चप्पलों से शोहदे छात्र की जमकर धुलाई की और कान पकडाकर मुर्गा बनवाया। छात्र के माफी मांगने और दुबारा ऐसी हरकत न करने की बात करने पर छात्राओं द्वारा उसे माफ कर दिया गया।

समाजवादी ग्रामीण ने मनायी लोकबंधु राज नारायण की जयंती

बीपीएस न्यूज

कानपुर।समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण के तत्वावधान में पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट परेड पर जिलाध्यक्ष मुनीन्द्र शुक्ला के निर्देश पर लोकबन्धु राजनारायण की जयन्ती में उनके चित्र पर माल्यर्पण कर मनाई गई। उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव इम्तियाज रसूल कुरैशी एवं मजदूर सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा राजनारायण का जन्म 23 नवम्बर को वाराणसी जिले मोती कोट गंगापुर नामक गांव के एक धनी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। बाल सुलभ संवाद करने के लिए चर्चित राजनारायण गलती पर किसी की भी मिटटी पलीद करने से पीछे नहीं हटते थे, इसी स्वभाव के कारण उन्हें मोरारजी देसाई सरकार में स्वास्थ्य मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वह इस कदर समर्पित थे कि वह वर्षो अपने घर पर नही जाते थे। 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी को हराने के बाद पूरे देश में उनका कद बहुत ऊंचा हो गया। एक बार मिलने पहुँची अपनी पत्नी को ही पहचान नही पाये थे। उनसे ही पूंछ बैठे आप कौन हैं ? वह अपने बेटी की शादी तक में शामिल नही हुये थे। उन्होंने जीवन भर गरीबों के लिए संघर्ष किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेश गुप्ता, इम्तियाज रसूल कुरैशी, नरेन्द्र सिंह,शरद यादव,मुर्तजा हुसैन,चन्दी पासी,रविशंकर गुप्ता, सन्दीप शुक्ला, ज्ञानेन्द्र सिंह,राजाराम साहू, नितिन गुप्ता,मो असलम,कर्मवीर यादव एवं राजीव अवस्थी आदि लोग मौजूद रहे।

ठगी करने वाला शातिर जालसाज गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कई लोगों के साथ जालसाजी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार पूर्व में चकेरी में मकान दिलाने के नाम पर ट्रान्सपोर्टर से की थी 35 लाख रूपये की ठगी। नौबस्ता थाना क्षेत्र में पुरोहित को कार दिलाने के नाम पर की 5 लाख रूपये की ठगी विधवा से शादी कर हड़पे थे 25 लाख रूपये! पुलिस आयुक्त कानपुर नगर संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून / व्यवस्था कानपुर नगर एवं पुलिस उपायुक्त दक्षिण के निर्देशन में अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को उ0नि0 प्रदीप कुमार सिरोही मय हमराह का0 1540 धर्मेन्द्र सिंह न्यायालय महानगर मजिस्ट्रेट कोर्ट न0 2 कानपुर नगर द्वारा निर्गत वारण्ट के अनुपालन में अभियुक्त रवि गुप्ता पुत्र शिवराम गुप्ता निवासी म020 उए/3620/581 आवास विकास हंसपुरम की तलाश में मामूर होकर अभि0 पर पर दबिश हेतु जा रहे थे कि घर के पास दूसरी पुलिया पर दिखाई दिया जिसको उ0नि0 प्रदीप सिरोही मय हमराही के अभियुक्त रवि गुप्ता पुत्र शिवराम गुना निवासी आवास विकास हंसपुरम को समय दूसरी पुलिया हंसपुरम नौबस्ता से हिरासत पुलिस में लिया गया!

आमने-सामने की टक्कर में पलटी स्कूल बस, बच्चे घायल, चालक की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर-घाटमपुर। घाटमपुर क्षेत्र में गुरूवार को स्कूली बस और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गयी।हादसे के बाद स्कूल बस रोडपर पलट गयी, जिससे बस में सवार स्कूली बच्चे जहां बुरी तरह से घायल हो गये तो वहीं बस चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। हादसे के बाद आक्रोशि गांव वासियों ने जमकर हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार कानपुर के घाटमपुर क्षेत्र के गांव बेंदा के पास एक स्कूल बस और ट्रक में आमने-सामने की भिडंत हो गयी। टक्कर इतनी तेज थी कि तत्काल स्कूल बस रोड पर ही पलट गयी और उसमें बैठे स्कूली बच्चे बुरी तरह घायल हो गये।हादसे में बस चालक की केबिन में ही फंसने से मौत हो गयी। जहां हादसे में बाद आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा मुगल रोड को जाम कर दिया तो वहीं हादसे और हंगामें की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी प्रकार ग्रामीणों को शांत कराकर कार्यवाई का आश्वासन दिया। पूरे हादसे के दौरान लगभग डेढ घंटे यातायात बाधित रहा। ग्रामीणों की माने तो इस रोड पर आये दिन हादसे होते रहते है। स्थानी निवासी ने बताया कि मृतक बस चालक का नाम मनफूलैर घाटम्पुर स्थित गुरू प्रसाद पार्वती शिक्षा निकेतन इंटर कालेज में सकूल बस चलाता था तथा उसके पिता का नाम श्यामलाल संखवार है। बताया कि रोज की भांति वह स्कूल के लिए बच्चों को लेने जा रहा था कि बेंदा गांव के पास बस की ट्रक से टक्कर हो गयी। मृतक चालक की पत्नी किशनंदी तथा मांत्र रज्जी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा शव को बस से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

कुलपति को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें लखनऊ विवि में आयोजित जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत टिकाऊ कृषि पर्यावरण एवं स्वास्थ्य हेतु जीव विज्ञान में वर्तमान प्रचलन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय (23 से 25 नवंबर 2023) राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एग्रीकल्चर बायोकेमिस्ट सीएसए एवं वनस्पति विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया है। यह अवार्ड कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर संजय कुमार व लखनऊ विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति डॉ सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए विशेष योगदान पर यह उपलब्धि उन्हें प्राप्त हुई है। इस अवसर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव, डा आरपीएन सिंह एवं वनस्पति विज्ञान विभाग लखनऊ विवि के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना सिंह सहित अन्य देश के विभिन्न प्रांतो से आए वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

अपने ही पुत्र से परेशान बुजुर्ग महिला पहुंची डीसीपी की चौखट पर

वृद्धा का दर्द सुन तत्काल डीसीपी ने चकेरी इंस्पेक्टर को फोन कर दिये कार्यवाई के आदेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सनातन धर्म के अनुसार हम कलखण्ड के चतुयुर्ग में पहुंच चुके है, जिसका प्रमाण चारो तरफ धर्म की हानि, मानवता का विनाश और सम्बन्धों में मधुरता समाप्त हो गयी है। इस कलयुग में आये दिन पुत्रों द्वारा अपने माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार की घटनाये सामने आती रहती है। इसी प्रकार थाना चकेरी क्षेत्र की रहने वाली एक वृद्धा को उसके पुत्र और बहू आये दिन मारती पीटती है। बेटा ही

अपनी मां को उसी के मकान से निकालना चाहता है। पुलिस कार्यवाई नही कर रही थी। परेशान होकर वृद्धा डीसीपी की चौखट पर जा पहुंची। डीजीपी ने वृद्धा का दर्द सुना और तत्काल थाना चकेरी प्रभारी को कार्यवाई के आदेश दिए। थाना चकेरी क्षेत्र में रहने वाली एक 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसके एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्र की शादी हो चुकी है, पुत्री अभी कुवारी है और पति की मृत्यु के उपरांत वह अपनी कुंवारी बेटी के साथ जिस मकान में निवास करती है वह उसके पति और अब उसका है, लेकिन उसका बेटा और बहू उसे तथा उसकी पुत्री को मकान से निकालना चाता है। आये दिन मार-पीट करते है साथ ही अपनी ही सगी बहन की नहाते हुए फोटो खींचता है। बताया कि कई बार बहू व बेटे ने उसे मारा है और ज बवह स्थानी पुलिस में शिकायत लेकर जाती तो चौकी पुलिसि उल्टा उसे ही मिलजुल कर रहने की सलाह देकर चौकी से भगा देती थी। थक-हार क रवह डीसीपी कार्यालय पहुंची और डीसीपी तेज स्वरूप के सामने अपना दुखडा बताया। डीसीपी द्वारा वृद्धा से प्रार्थनापत्र लेकर तत्काल चकेरी थाने में इंस्पेक्टर अशोक दुबे को फोन कर पूरे मामले में तत्काल कार्यवाई के आदेश दिये।

वायुसेना में भर्ती कराने के नाम पर ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

एसटीएफ तथा वायुसेना इंटेलिजेंस की संयुक्त कार्यवाई के दौरान झकरकटी बस अडडे से हुआ गिरफ्तार,स्क्वाड्रन लीडर की वर्दी पहनकर दिखाता था धमक

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। स्क्वाड्रन लीडर की वर्दी पहन कर रंगवाजी करने वाला तथा बेरोजगार युवकों को वायुसेना में भर्ती के स्वप्न दिखाकर ठगी करने वाला युवक झकरकटी बस अडडे से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसपर सेना की वदी का दुरूपयोग, फर्ज लोक सेवक बनने, धोखाघडी और कूटरचाना की धाराओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्नाव जिले के अजगैन का रहने वाला राहुल राजपूत वायु सेना की स्क्वाड्रन लीडर की वर्दी पहन कर रंगबाजी करता था। उसके कई बेरोजगार युवकों को वायुसेना में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखों रूपयों की ठगी की। पकडे जाने के बाद उसने अपने बयान में स्वयं स्वीकार किया है कि उसने 6-6 लोगों से नौकरी दिलवाने के नाम से लाखों रूपयों की ठगी की है। एडीसीपी लखन के अनुसार युवक को एसटीएफ तथा इंटेलिजेंस वायुसेना की संयुक्त कार्यवाई के दौरान झकरकटी बस अडडसे से पकड लिया गया। पकडे गये अरोपी युवक के पास से भारी संख्या में कूटरचित दस्तावेज प्राप्त किये गये है साथ ही सेना के खिलाफ वर्दी के दुरूपयोग, धोखाधडी तथा कूटरचानाओं की धाराओं पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दुल्हे के पिता के बैग पर चोरों ने हाथ किए साफ, मचा हड़कंप

ड्रोन कैमरे में कैद हुए दो संदिग्ध, पुलिस ने शुरु की जांच पड़ताल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर लगातार बढ़ती लूट की वारदातों के बीच एक घटना और सामने आई, जिसमें एक गेस्टहाउस में चल रहे शादी समारोह में दूल्हे के पिता के बैग पर चोरो ने हाथ साफ कर दिया। बताया जाता है कि बैग में नकदी और व्यवहार के लिफाफे रखें थे। ड्रोन कैमरे में दो संदिग्धों की फोटो देखी गयी और अब पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। जानकारी के अनुसार थाना बिठूर क्षेत्र के वैकुण्ठपुर के पास स्थित एक गेस्टहाउस में शादी समारोह चल रहा था, जहां नौबस्ता निवासी राकेश कुमार अवस्थी के बेटे की शादी हो रही थी। शिशिर जहां मर्चेंट नेवी में कार्यरत है तो वहीं राकेश कुमार लघु उधोग विभाग से सेवानिवृत्त है। घटना के सम्बन्ध में राकेश ने बताया कि विवाह के दौरान स्टेज पर फोटो खींची जा रही थी और वह फोटो खिंचवाने के लिए अपनी पत्नी के साथ गयी तथा पास में ही रखी मेज पर उन्होने अपना बैग रख दिया, जिसपर चोरो ने हाथ साफ कर दिया। उन्होने बताया कि बैग में लगभग 30 हजार रूपयों के व्यवहार के लिफाफों के साथ ही ढाई लाख रूपया नकद था। मामला पुलिस तक पहुंचा। बिठूर थाना प्रभारी अतुल कुमार संह ने बताया कि विवाह समारोह में रूपयों भरा बैग चोरी होने की सूचना के बाद वह घटना स्थल पर पहुंचे, मामले की छान-बीन की जा रही है साथ ही तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

महिलाओं ने छठ माता का पूजन बड़े धूमधाम से मनाया

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। छठ पूजन की छवि मस्कर घाट मैं काफी संख्या में महिलाओं ने छठ माता का पूजन बड़े धूमधाम से मनाया इस आयोजन में प्रशासन ने भी बहुत सहयोग किया और कभी अच्छे ढंग से प्रशासन ने अपनी भूमिका निभाई! इसी क्रम सम्मिलित अरुण कुमार अस्थाना की पत्नी मंजू अस्थाना, राजकमल सिंह की पत्नी रेनू ,विक्रम अवस्थी की पत्नी निशा अवस्थी, सतीश चंद शर्मा की पत्नी अनीता शर्मा, मनोज उपाध्याय की पत्नी मोनिका उपाध्याय , छठ पूजन का उत्सव बड़े धूमधाम से मस्कर घाट में मनाया और पूजा अर्चना की!

इंडियन आइडल में राज कपूर को समर्पित की गयी परफॉर्मे

देखकर फूट-फूट कर रोने लगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर इंडियन आइडल में एक स्पेशल एपिसोड में नजर आएंगी। प्रोमो वीडियो में एक्ट्रेस को अपने दिवंगत दादा राज कपूर को लेकर किए गये एक प्रदर्शन पर रोते हुए देखा जा सकता है। यहां वीडियो देखें। अभिनेत्री करिश्मा कपूर लोकप्रिय गायन रियलिटी शो इंडियन आइडल 14 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। आगामी एपिसोड में अभिनेत्री को अपने दिवंगत दादा और महान राज कपूर पर एक प्रदर्शन के बाद रोते हुए देखा जाएगा। इस वीकेंड प्रतियोगी बॉलीवुड के कपूर परिवार को श्रद्धांजलि देंगे। नए एपिसोड के प्रोमो में करिश्मा कपूर को रोते हुए देखा जा सकता है क्योंकि प्रतियोगी महिमा प्रतिष्ठित गीत, जीना यहां मरना यहां गाती है। 1970 की फिल्म मेरा नाम जोकर में महान राज कपूर के किरदार राजू की तरह तैयार महिमा की परफॉर्मेंस जज श्रेया घोषाल को भी रुला देगी।जैसे-जैसे प्रोमो आगे बढ़ता है, करिश्मा कपूर को अभिभूत देखा जा सकता है और उन्हें अपने आंसू रोकना मुश्किल हो रहा है। वह कहती हैं, ये गाने के जो शब्द हैं वही हम हैं। जो भी हम हैं आज इस महान व्यक्ति का धन्यवाद है। सोनी टीवी द्वारा वीडियो साझा किए जाने के तुरंत बाद, प्रशंसकों ने करिश्मा कपूर के लिए अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि और प्यार के साथ टिप्पणी अनुभाग को भर दिया। एक प्रशंसक ने लिखा, सदन में खूबसूरत महिला। एक अन्य उपयोगकर्ता ने टिप्पणी की, क्या मंच है। दोनों उत्तम दर्जे की महिलाएं करिश्मा और श्रेया एक साथ। तीसरे ने लिखा, दिल छू लेने वाला वीडियो.

मेरा नाम जोकर के बारे में

राज कपूर, सिमी गरेवा, ऋषि कपूर, धर्मेंद्र और अन्य अभिनीत, मेरा नाम जोकर 1970 में सिल्वर स्क्रीन पर आई। आरके फिल्म्स द्वारा निर्मित, रोमांटिक ड्रामा अब तक दो अंतराल वाली दूसरी और आखिरी भारतीय फिल्म है। यह भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी फिल्मों में से एक है। मेरा नाम जोकर को छह साल लगे और कहा जाता है कि राज कपूर ने इस फिल्म में अपनी निजी संपत्ति लगा दी।

परदे पर भी खूब खेला गया क्रिकेट

फिल्म इतिहास को खंगाला जाए तो अन्य विषयों के साथ ही खेलों पर भी कई फ़िल्में बनी। इनमें सबसे ज्यादा संख्या क्रिकेट पर बनी फिल्मों की है। ऐसी फिल्मों में ज्यादातर क्रिकेट के महारथी रहे खिलाड़ियों की बायोपिक हैं। इसके अलावा क्रिकेट के काल्पनिक कथानक गढ़कर भी फ़िल्में बनाई गईं। क्रिकेट थीम पर बनी सुपरहिट फिल्म 'लगान' का कथानक भी काल्पनिक था। सबसे ज्यादा चर्चा भी क्रिकेट पर बनी फिल्मों की होती है। क्रिकेट को लेकर लोगों में जो दीवानापन है, उससे कई बार फिल्म कलाकार भी फीके पड़ जाते हैं। दरअसल, सिनेमा और क्रिकेट का रिश्ता दशकों पुराना है।हमारे यहां क्रिकेट को पसंद करने और देखने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। इस खेल का जुनून इतना है, कि वे अपनी टीम की सपोर्ट करने विदेश तक पहुंच जाते हैं। ये ऐसा खेल है, जो प्रेम बढ़ाने का काम ही ज्यादा करता है। हर जाति और धर्म के खिलाड़ी क्रिकेट खेलते हैं और सभी देखते हैं। यही कारण है कि क्रिकेट पर न जाने कितनी फिल्में बन चुकी और बन भी रही हैं। साल 1959 से अब तक क्रिकेट के कथानक वाली करीब तीन दर्जन फिल्में आई। इनमें लगान, जन्नत और धोनी की बायोपिक सुपरहिट रही। जबकि काई पो चे, सचिन, फरारी की सवारी और '83' को भी पसंद किया गया। इनमें आधा दर्जन फ़िल्में मुश्किल से अपनी लागत निकाल सकी और बाकी फिल्मों को दर्शकों ने नकार दिया। परदे पर क्रिकेट का जुनून फिर भी ठंडा नहीं पड़ा। करीब आधा दर्जन फ़िल्में लाइन में हैं। सिर्फ पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों पर ही बायोपिक नहीं बनी, भारतीय क्रिकेटर मिताली राज की जिंदगी पर भी बनी फिल्म 'शाबास मिट्ठू' में तापसी पन्नू ने भूमिका निभाई थी।

पहली फिल्म 1959 मेंमाना जाता है कि 1959 में इस कथानक पर पहली फिल्म 'लव मैरिज' बनी थी। इसमें देव आनंद और माला सिन्हा ने काम किया था। इसमें देव आनंद क्रिकेटर की भूमिका में थे और क्रिकेट के कारण ही माला सिन्हा का उस पर दिल आ जाता है। इसके बाद तो दर्जनों फ़िल्में बनी और बनती रही। पर, क्रिकेट आधारित सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में 2001 में आई आमिर खान की फिल्म 'लगान' रही। यह फिल्म विक्टोरिया काल पर केंद्रित थी जिसमें क्रिकेट को राष्ट्रवाद से जोड़ा गया था। मदर इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद लगान ऑस्कर के लिए नामांकित होने वाली तीसरी भारतीय फिल्म बनी! 2016 में आई फिल्म 'एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी' पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक है। इसे क्रिकेट पर बनी दूसरी सबसे सफल फिल्म माना जाता है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म ने अच्छा कारोबार भी किया।क्रिकेट की लोकप्रियता में सबसे बड़ा योगदान उन खिलाड़ियों का है, जिन्होंने कई बार अपनी टीम को जिताने के लिए अपना सबकुछ लगा दिया। यही कारण है कि इन महान खिलाड़ियों के जीवन पर फिल्में बनी। इनमें सिर्फ उनका खेल ही नहीं फिल्माया, बल्कि वो संघर्ष भी दिखाया गया जिससे उबरकर वे खेल की ऊंचाई तक पहुंचे। मसलन महेंद्र सिंह धोनी पर बनी फिल्म में उनके संघर्ष और निजी जीवन को बहुत अच्छी तरह दिखाया गया

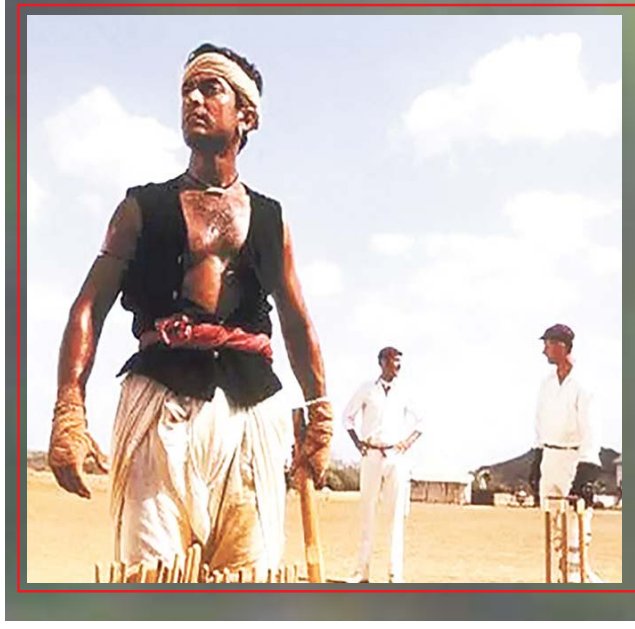

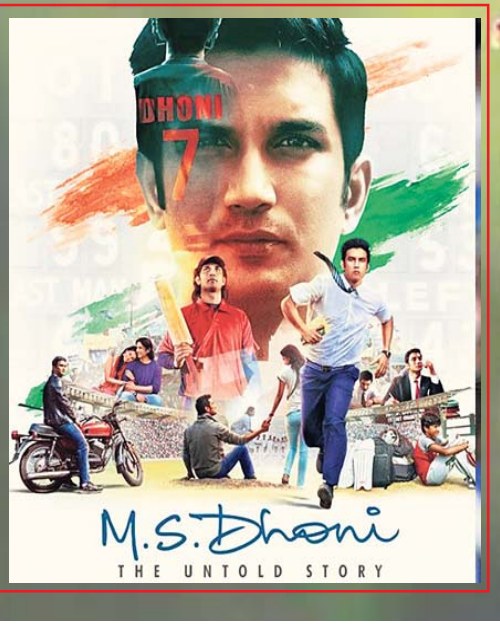

ईडी ने प्रकाश राज को भेजा समन

100 करोड़ के पोंजी घोटाले से क्या कनेक्शन ?

अभिनेता प्रकाश राज को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिरुचिरापल्ली स्थित आभूषण समूह के खिलाफ कथित 100 करोड़ रुपये के पोंजी और धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। भाजपा के मुखर आलोचक प्रकाश राज (58) इस कंपनी के ब्रांड एंबेसडर रह चुके हैं। उन्हें अगले हफ्ते चेन्नई में ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

जांच तिरुचिरापल्ली स्थित एक साझेदारी फर्म प्रणव ज्वैलर्स के खिलाफ एक मामले से संबंधित है, जिस पर उसने 20 नवंबर को छापा मारा था और 23.70 लाख रुपये की अस्पष्ट नकदी और कुछ सोने के आभूषण जब्त करने का दावा किया था।

कथित तौर पर इकाई प्रणव ज्वैलर्स द्वारा संचालित पोंजी स्कीम, प्रणव ज्वैलर्स और कथित वित्तीय गड़बड़ी में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ त्रिची में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर ईडी की जांच के दायरे में आ गई है। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एफआईआर के अनुसार, प्रणव ज्वैलर्स और अन्य ने उच्च रिटर्न के वादे के साथ सोने की निवेश योजना की आड़ में जनता से 100 करोड़ रुपये एकत्र किए, लेकिन वह अपना वादा पूरा करने में विफल रहे।

ईडी ने कहा, प्रणव ज्वैलर्स ऐसे निवेशकों को राशि लौटाने में विफल रहे और फर्म (प्रणव ज्वैलर्स) और अन्य जुड़े व्यक्तियों ने सराफा/सोने के आभूषणों की खरीद की आड़ में सार्वजनिक धन को फर्जी संस्थाओं/प्रवेश प्रदाताओं को हस्तांतरित करके जनता को धोखा दिया। प्रणव ज्वैलर्स की किताबों में आपूर्तिकर्ता पार्टियां प्रवेश प्रदाता थीं, जिन्होंने जांच के दौरान, प्रणव ज्वैलर्स को 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के लिए समायोजन और फर्जी आवास प्रविष्टियां प्रदान करने की बात कबूल की और आरोपी व्यक्तियों को नकद देने की बात भी कबूल की। जांच एजेंसी ने कहा, तलाशी के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, 23.70 लाख रुपये की अस्पष्ट नकदी, 11.60 किलोग्राम वजन की बुलियन और सोने के आभूषण जब्त किए गए।

आलिया ने दिखाया बोल्ड अवतार

आलिया भट्ट बन रही हैं खूबसूरत मां! माँ बनने के बाद वह दिन पर दिन फिट और जवान दिख रही हैं और उन्होंने अपने स्टाइल स्टेटमेंट को भी एक पायदान ऊपर ले लिया है। वह हाल ही में प्रत्येक उपस्थिति में अपने फैशन रुख से ध्यान आकर्षित कर रही है, और कल रात भी कुछ अलग नहीं था।आलिया भट्ट बन रही हैं खूबसूरत मां! माँ बनने के बाद वह दिन पर दिन फिट और जवान दिख रही हैं और उन्होंने अपने स्टाइल स्टेटमेंट को भी एक पायदान ऊपर ले लिया है। वह हाल ही में प्रत्येक उपस्थिति में अपने फैशन रुख से ध्यान आकर्षित कर रही है, और कल रात भी कुछ अलग नहीं था। आलिया को शहर में एक इवेंट के रेड कार्पेट पर देखा गया।

पैसों के लिए बेच बैठे थे अपना जमीर

आज भी है अफसोस, आखिर क्या थी मजबूरी ?

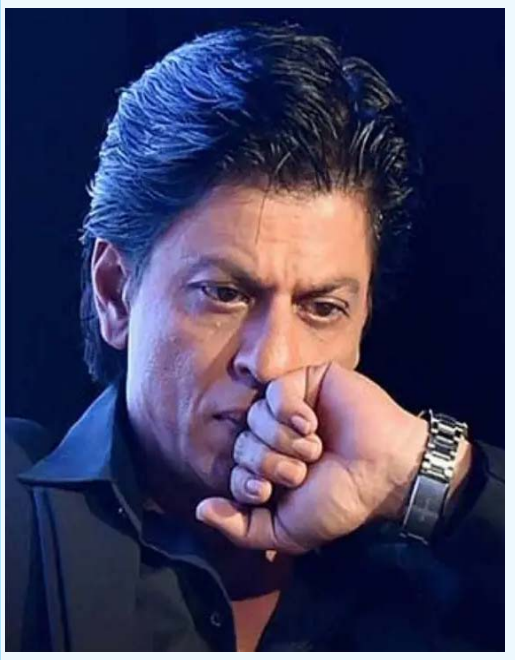

शाहरुख खान की अगली फिल्म 'डंकी' दिसंबर में रिलीज होने वाली है, फैंस उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उन्होंने दिलों का किंग बनने के लिए बहुत पापड़ बेले हैं,फिल्मों की बात करें तो इस साल अभिनेता की दो फिल्में पठान और जवान ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया, दोनों ही फिल्मों ने ताबड़तोड़ कमाई की, लेकिन शाहरुख खान खुद अपनी एक फिल्म पर अफसोस जताते हैं आखिर ऐसी कौन सी फिल्म है जो शाहरुख खान को अफसोस करने पर मजबूर करती है आईये आपको भी बताते हैं

पैसे के लिए की फिल्म

शाहरुख खान की एक्टिंग हो या उनका एक्शन उनके फैंस उनकी हर फिल्म पर अपनी जान देते हैं, ऐसे में फैंस महंगी से महंगी टिकट भी खरीद लेते हैं, पर शाहरुख को अपनी एक फिल्म के लिए आज भी बहुत अफसोस होता है, इसका खुलासा उन्होंने टॉक शो 'यारों की बारात' में किया था। शाहरुख ने कहा था कि उन्होंने अपने करियर में सिर्फ एक फिल्म पैसों के लिए की है। लेकिन इसके पीछे भी उनकी बहुत बड़ी मजबूरी थी।

तो ये थी शाहरुख खान की मजबूरी

शाहरुख ने बताया, मेरा दिल नहीं था उस फिल्म को करने का लेकिन मैंने अपना जमीर बेचकर उस फिल्म को किया। 'मैं नाम नहीं लूंगा पर अभी तक मैंने करीब 60 फिल्में की हैं, लेकिन एक फिल्म पैसे के लिए की थी। मुझे इस बारे में पता था और इसके लिए मैंने प्रोड्यूसर को भी बोल दिया था। मैंने उस फिल्म की फीस से घर लिया था और मुझे उसकी बहुत जरूरत थी, ये सब मैंने अपने परिवार के लिए किया, अपने घर मन्नत के लिए किया।

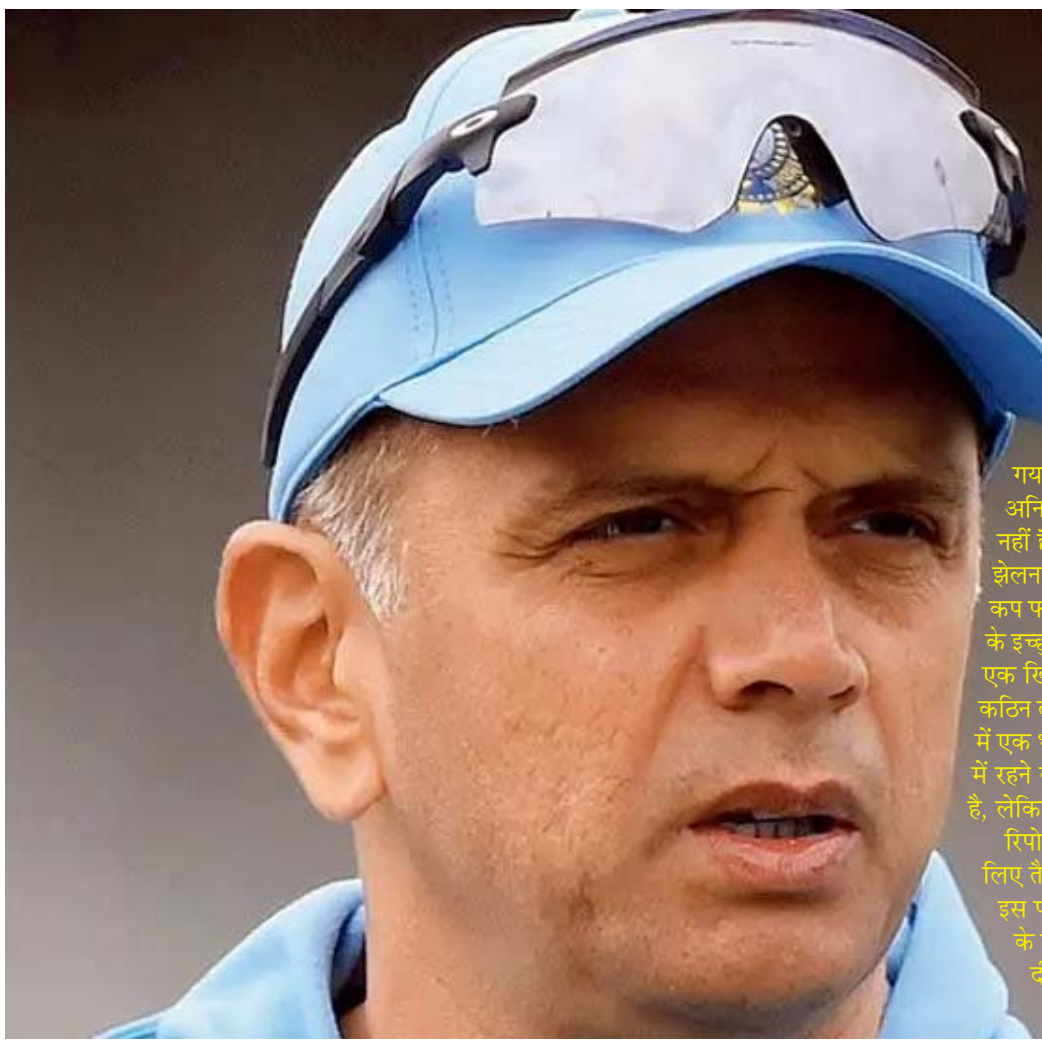

आखिर टीम इंडिया के मुख्य कोच की भूमिका में बने रहने के इच्छुक क्यों नहीं हैं राहुल द्रविड

भारत के कोचिंग स्टाफ में एक बड़ा फेरबदल हो सकता है। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कथित तौर पर भारतीय टीम के लिए अपनी भूमिका जारी रखने के इच्छुक नहीं हैं। द्रविड़, जो भारत के हालिया वनडे विश्व कप 2023 अभियान के शीर्ष पर थे, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20ई श्रृंखला के लिए टीम के साथ नहीं हैं। द्रविड़, जिनका टीम के साथ अनुबंध समाप्त हो गया है। विश्व कप 2023 के पूरा होने के बाद भारत के मुख्य कोच के रूप में अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, द्रविड़ अब आने वाले समय में भारत का मुख्य कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं। वह उस कठिन दौर से नहीं गुजरना चाहते जो उन्हें एक खिलाड़ी और फिर एक कोच के रूप में झेलना पड़ा। इसमें कहा गया है कि द्रविड़ के नेतृत्व में भारत का अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल था। द्रविड़ ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि वह पूर्णकालिक कोच के रूप में बने रहने के इच्छुक नहीं हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि उन्होंने बताया है कि लगभग 20 वर्षों तक, उन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में भारतीय टीम के साथ यात्रा की है, और पिछले कुछ वर्षों से, वह फिर से उसी कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जिससे वह गुजरना नहीं चाहते हैं। सूत्र ने बताया कि वह एनसीए में प्रमुख के रूप में एक भूमिका के लिए तैयार हैं (वह भूमिका जो उन्होंने पहले निभाई थी), जो उन्हें अपने गृहनगर बेंगलुरु में रहने की अनुमति देगा। पहले की तरह, उन्हें छिटपुट रूप से टीम को कोचिंग देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन फिर से पूर्णकालिक कोच के रूप में नहीं चाहते।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पूर्व खिलाड़ी वीवीएस लक्ष्मण भारत के अगले मुख्य कोच बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने इस भूमिका के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। सूत्र ने कहा कि लक्ष्मण ने इस पद के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। विश्व कप के दौरान, लक्ष्मण इस संबंध में बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से मिलने के लिए अहमदाबाद गए थे। उनके टीम इंडिया के कोच के रूप में एक दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की संभावना है, और निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए उस क्षमता में टीम के साथ यात्रा करेंगे।

हेड कोच के पद से राहुल द्रविड़ की छुट्टी होना तय

भारत में खेले गए विश्व कप 2023 में हर के बाद अब हेड कोच को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय टीम के हेड कोच को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। इसी बीच माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने राहुल द्रविड़ से हेड कोच के तौर पर उनकी भूमिका की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की है। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम का तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया था। वर्ल्ड कप के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ का कॉन्ट्रैक्ट भी खत्म हो गया है। अब देखना है कि यह कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ता है या हेड कोच की जिम्मेदारी किसी अन्य दिग्गज को सौंपी जाती है। संभावना है कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड हेड कोच के लिए किसी अन्य नाम पर विचार कर रहा है। हेड कोच की जिम्मेदारी अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक वीवीएस लक्ष्मण को सौंप जा सकती है। बता दें कि भारतीय टीम के वर्तमान हेड कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ का कार्यकाल 2 साल का था जो विश्व कप के फाइनल मैच के दिन खत्म हो चुका है। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके कार्यकाल को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई के अधिकारी का कहना है कि राहुल और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच वर्तमान स्थिति को लेकर चर्चा हुई है। भारत में खेले गए विश्व कप 2023 में हर के बाद अब हेड कोच को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। भारतीय टीम के हेड कोच को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। इसी बीच माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों ने राहुल द्रविड़ से हेड कोच के तौर पर उनकी भूमिका की संभावनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की है। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम का तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का सपना टूट गया था। वर्ल्ड कप के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ का कॉन्ट्रैक्ट भी खत्म हो गया है। अब देखना है कि यह कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ता है या हेड कोच की जिम्मेदारी किसी अन्य दिग्गज को सौंपी जाती है। संभावना है कि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड हेड कोच के लिए किसी अन्य नाम पर विचार कर रहा है। हेड कोच की जिम्मेदारी अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक वीवीएस लक्ष्मण को सौंप जा सकती है। बता दें कि भारतीय टीम के वर्तमान हेड कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ का कार्यकाल 2 साल का था जो विश्व कप के फाइनल मैच के दिन खत्म हो चुका है। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके कार्यकाल को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बीसीसीआई के अधिकारी का कहना है कि राहुल और बीसीसीआई अधिकारियों के बीच वर्तमान स्थिति को लेकर चर्चा हुई है। सबको लगता है कि टी 20 विश्व कप में 7 से 8 महीना का समय है ऐसे में नए कोच के पास टीम बनाने और प्रक्रिया तय करने का समय होगा। यहां तक की राहुल द्रविड़ भी इस प्रक्रिया से इत्तेफाक रखते हैं। भारतीय टीम के हेड कोच को लेकर जो भी फैसला लिया जाएगा उससे पहले सभी पहलुओं पर गहनता के साथ विचार विमर्श होगा।

रोहित शर्मा से आगे निकले सूर्यकुमार यादव

खतरे में कोहली का विराट रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने विशाखापत्तनम में खेले गए पहले टी20 मैच में धमाकेदार पारी खेली. सूर्यकुमार को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. सूर्या ने इस दौरान टीम इंडिया के नियमित कप्तान रोहित शर्मा के एक रिकॉर्ड को तोड़ दिया. अब सूर्या के निशाने पर कोहली का 'विराट' रिकॉर्ड है जो इस सीरीज में सूर्यकुमार ध्वस्त कर सकते हैं. यानी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इस मामले में वह रोहित और विराट को पछाड़कर टॉप पर पहुंच सकते हैं. आइए जानते हैं आखिर क्या है वह रिकॉर्ड जिसे सूर्यकुमार के लिए तोड़ना कोई मुश्किल काम नहीं हो सकता.दरअसल, सूर्यकुमार यादव ने पहले टी20 मैच में 42 गेंदों पर 80 रन की पारी खेली जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल थे. सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत (ढ्ढह्र्ठ 1ह्य स्) की 2 विकेट से जीत में अहम रोल अदा किया. उनकी इस धमाकेदारी पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. सूर्या को टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 13वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया. उन्होंने इस दौरान रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ा. रोहित को 148 टी20 मैचों में 12 बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है वहीं सूर्यकुमार ने 54 मैचों में यह मुकाम हासिल किया है. इस लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं जो 115 मैचों में 15 बार इस खिताब को जीत चुके हैं. सूर्यकुमार के पास इस सीरीज में विराट से आगे निकलने और बतौर भारतीय टी20 में टॉप पर पहुंचने का मौका है.टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में कप्तानी में डेब्यू करते हुए यह अवॉर्ड जीतने वाले सूर्यकुमार यादव दूसरे भारतीय हैं. इससे पहले यह उपलब्धि पेसर जसप्रीत बुमराह हासिल कर चुके हैं. बुमराह को इसी साल आयरलैंड दौरे पर कप्तान बनाया गया था जहां उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

धोनी ने कहा ऑपरेशन करा लो फिर भी नहीं माने शमी

टूटे हुए घुटने के साथ खेला वर्ल्ड कप

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुक़ाबले में भले ही भारत को हार का सामना करना पड़ा हो। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में जोरदार प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों में एक नाम तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का भी है। टूर्नामेंट के पहले चार मुकाबलों में बाहर बैठने के बाद शमी ने हार्दिक पांड्या के चोटिल होने पर प्लेइंग 11 में जगह बनाई और इतिहास रच दिया। शमी ने इस वर्ल्ड कप में 24 विकेट झटके और वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजी भी बने ।वर्ल्ड कप 2023 खत्म होने के बाद प्यूमा इंडिया को एक इंटरव्यू देते हुए शमी ने खुलासा किया है कि वर्ल्ड कप 2015 से पहले वे बुरी तरह चोटिल थे और घुटने में चोट के साथ उन्होंने टूर्नामेंट खेला। शमी ने कहा, %हम उस समय करीब साढ़े चार महीने तक ऑस्ट्रेलिया में थे। हमने वनडे, टेस्ट और टी-20 मैचों की सीरीज खेली थी। इस दौरान पहले ही टेस्ट मैच में मेरे घुटने में सूजन आ गई थी। बाद में ये बढ़ती गई। इसके चलते दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाया था। ऐसे में वर्ल्ड कप आते आते मेरे घुटने कि हालत और खराब हो गई।

शमी ने आगे कहा, हालत इतनी खराब थी कि कोई और होता तो वर्ल्ड कप नहीं खेलता। लेकिन मैं उतना दर्द झेल सकता हूं। मैं वो बर्दाश्त कर पाया। डॉक्टर और माही भाई ने एक ही सवाल किया था, या तो जाकर ऑपरेशन करा लो या वर्ल्डकप खेलने के बाद ऑपरेशन कराओ? डॉक्टर ने बताया कि ऑपरेशन तो कराना ही होगा।

शमी ने बताया कि डॉक्टर ने कहा अगर वर्ल्डकप खेला तो दर्द तो बहुत ज्यादा होगा। लेकिन आप वर्ल्ड कप खेल सकते हो और अभी टीम को आपकी जरूरत है। तब मैंने एक ही बात पूछी कि ये घुटना बीच में तो साथ नहीं छोड़ देगा? अगर टूट भी जाए तो बीच वर्ल्डकप में ऐसा नहीं होना चाहिए, वर्ल्डकप खत्म हो जाए फिर जो हो। इस पर डॉक्टर ने कहा कि बीच में साथ नहीं छोड़ेगा, ये हमारी गारंटी है। मैंने कहा कि दर्द की कोई चिंता नहीं फिर ।शमी ने बताया कि मैच के बाद जब सारी टीम होटल जाती थी तो वह अस्पताल जाते थे। हर मैच के बाद उन्हें इंजेक्शन लगते थे। शमी ने कहा, किसी को नहीं पता था कि मैं कितना दर्द झेल रहा हूं. पूरे वर्ल्ड कप में ठीक रहा लेकिन सेमी-फाइनल में 5 ओवर डालने के बाद मेरे पैर में कुछ भी फील होना बंद हो गया. पैर नंब हो गया था। मैं बाहर गया, फिर से इंजेक्शन लिया और वापस आकर गेंदबाजी की. लेकिन हम मैच हार गए। उतना अफसोस पैर का नहीं था, जितना मैच हारने का था।

रोहित फिटनेस पर विराट कोहली

एक और वर्ल्ड कप के लिए तैयार हिटमैन!

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर मुरलीधरन ने बड़ा बयान दिया है. (क्क) भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर मुरलीधरन ने बड़ा बयान दिया है.भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप 2023 में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. जिसके बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को लेकर चर्चा है कि वह अगला वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं. फैंस तो यही चाहेंगे कि जैसा परफॉर्मेंस अगले वर्ल्ड कप में भी दोनों दिग्गज खेलते दिखें. पूर्व क्रिकेटर मुथ्थैया मुरलीधरन ने रोहित शर्मा को लेकर बड़ा राय दी है. उन्होंने इशारा किया कि रोहित शर्मा एक और वर्ल्ड कप के लिए तैयार हो रहे हैं.मुरलीधरन ने जियो सिनेमा पर बात करते हुए कहा, अगर रोहित शर्मा के वनडे वर्ल्ड कप के परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो जिस तरह का स्टार्ट उन्होंने दिया है. वो शानदार है. वह टूर्नामेंट में कभी फेल नहीं हुए. वह अभी सिर्फ 36 साल के हैं. वह अगला वर्ल्ड कप भी खेल सकते हैं. अगर वह अपनी फिटनेस पर विराट कोहली जैसा ध्यान दें.मुरली ने आगे कहा, रोहित ने 130 के स्ट्राइक रेट से वनडे में बैटिंग की है. टी20 के लिहाज से यह खराब नहीं है. वह एक्सपीरियंस प्लेयर हैं. बस आपको 35 साल के बाद अपनी फिटनेस पर ध्यान देने की जरूरत है. अगर वह खेलने की इच्छा जताते हैं तो वह अगला वर्ल्ड कप जरूर खेलेंगे. मुझे लगता है कि वह जरूर खेलेंगे. ऐसा उनके दिमाग में जरूर होगा.रोहित शर्मा ने इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की ढाल बनकर कमाल की बल्लेबाजी की. उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज से विरोधी टीमों की कमर तोड़ी. इस वर्ल्ड कप में हिटमैन ने 597 रन ठोके, जिसमें एक 131 रन की आतिशी पारी भी शामिल है. हालांकि, विराट कोहली भी टीम के लिए खड़े रहे और 700 से अधिक रन ठोक डाले. लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने दोनों दिग्गजों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

रोकर बिलखती रही शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की मां, भाजपा नेता खिंचवाते रहे तस्वीरें

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए पांच जवानों को सेना और पुलिस ने शुक्रवार को सुबह श्रद्धांजलि अर्पित की। दरमसाल के बाजीमल इलाके में बुधवार और बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ 36 घंटे तक चली मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गये। इस दौरान दो कैप्टन सहित पांच सैनिक भी शहीद हो गये। इन्ही में से एक कैप्टन शुभम गुप्ता भी थे। कैप्टन शुभम गुप्ता के शहीद होने की खबर जैसे ही उनके घर पहुंची उनके घर पर मातमम पसर गया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैप्टन शुभम गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के लिए 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। आगरा के लोकसभा सदस्य केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एस पी सिंह बघेल शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए फतेहपुर सिकरी (आगरा ग्रामीण) के सांसद राजकुमार चहार और अन्य स्थानीय नेताओं के साथ उनके घर पहुंचे।

इसके बात एक सोशल मीडिया पर कैप्टन शुभम गुप्ता के घर की एक वीडियो वायरल हुई। वीडियो आपको काफी असहज कर सकती है। कैप्टन शुभम गुप्ता की मां का रो-रोकर बुरा हाल था ऐसे में कुछ नेता शुभम का मां को 50 लाख का चेक पकड़ाते हुए फोटो खिचवा रहे हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए एक शहीद सैनिक की दुखी मां के साथ फोटो खिंचवाने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि इस तरह के

सार्वजनिक प्रदर्शन से बचने की मां की अपील के बावजूद भाजपा नेता तस्वीरें खींचने में लगे रहे। सोशल मीडिया पर विपक्षी नेताओं द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, कैप्टन शुभम गुप्ता की मां को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ये दर्शनी मत लगाओ (यह सार्वजनिक प्रदर्शन न करें), जबकि उत्तर प्रदेश के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एक चेक सौंपने का प्रयास कर रहे हैं।वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए कांग्रेस पार्टी ने लिखा गिद्ध। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इसे हृदयहीन कार्रवाई बताते हुए कहा, दर्शनी मत', मां गमगीन होकर गुहार लगा रही है, फिर भी मंत्री अपना फोटो सेशन जारी रखे हुए हैं। यह कैसी बेशर्मी है? हम अनुमति भी नहीं देंगे शहीद का परिवार कैमरों के बिना शांति से शोक मनाएगा।

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने कहा, 'बीजेपी में बी का मतलब बेशरम और पी का मतलब पब्लिसिटी होना चाहिए।'उन्होंने एक्स पर लिखा कैप्टन शुभम गुप्ता ने राजौरी सेक्टर में एक मुठभेड़ के दौरान कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी मां दुखी हैं और बेसब्री से अपने बेटे के पार्थिव शरीर का इंतजार कर रही हैं। उनके गमगीन दुख के बीच, यूपी सरकार के भाजपा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय बेशर्मी से अपनी बात पर कायम हैं। अपने पीआर के लिए एक तस्वीर खींचना ङ्क यह, माँ की उसके दु:ख को तमाशा न बनाने की अपील के बावजूद। शर्म की बात है।शुभम 2015 में सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 2018 में कमीशन मिला था। उनकी पहली तैनाती ऊधमपुर में हुई थी। शुभम से दिवाली पर परिवार के लोगों ने वीडियो कॉल पर बात की थी। तब उन्होंने अगले सप्ताह आने की बात कही थी। वह 27 साल के अविवाहित थे। वह छह महीने पहले आगरा आए थे। परिवार के साथ आगरा में शुभम ने अपना 26 वां जन्मदिन मनाया था। यहां प्रतीक एन्क्लेव में रहने वाले कैप्टन शुभम गुप्ता के पिता जिला शासकीय अधिवक्ता बसंत गुप्ता की आंखें नम हैं और गला भरा हुआ है। उनका कहना है कि दो दिन पहले बेटे से बात हुई थी, तब उसने बताया था, "मैं एक बड़े मिशन पर हूं। मिशन पूरा होने के बाद मैं शादी कर लूंगा।" बसंत गुप्ता ने कहा, "मैं जब भी बेटे से कहता था कि अब शादी कर लो तो वह कहता था कि बड़ा काम है, पूरा होने के बाद शादी करुंगा।'

बीमार लोगों को बुरी आत्माओं से बचाने के लिए धर्म परिवर्तन कराने वाला मौलवी गिरफ्तार

गाजियाबाद तंत्र-मंत्र के नाम पर एक महिला को इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित करने के आरोप में एक मौलवी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी। महिला के बेटे अक्षय श्रीवास्तव ने मौलवी सरफराज के खिलाफ नंदग्राम थाने में मामला दर्ज कराया था।अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी मां मीनू (45) को 2017 से कुछ मानसिक और शारीरिक परेशानी हो रही थी। कुछ परिचित लोगों की सलाह मानकर वह मौलवी के पास पहुंचीं, जिसने झाड़-फूंक से इलाज शुरू कर दिया।

शिकायत में अक्षय ने कहा कि कुछ दिनों बाद मौलवी ने उनकी मां से कहा कि अगर वह अपना धर्म परिवर्तन कर लें तो

उन्हें बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने बताया कि मौलवी के सुझाव के बाद, उनकी मां ने अपने घर से हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां और तस्वीरें हटा दीं और अपने बच्चों और अन्य सदस्यों को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया।अपर पुलिस उपायुक्त (एसीपी), नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि मौलवी सरफराज को शुक्रवार को मोरटी गांव के तिराहा से गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान सरफराज ने पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ साल से इलाके में झाड़ फूंक का काम कर रहा था और बीमार लोगों को बुरी आत्माओं से बचाने के लिए इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित करता था।

पनौती, अपशकुन, जेबकतरे जैसे शब्दों पर फंसे राहुल गांधी

चुनाव आयोग (ईसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली उनकी हालिया टिप्पणी के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। नोटिस विशेष रूप से गांधी द्वारा अपने भाषणों के दौरान 'पनौती' (अपशकुन), 'जेबकतरे' जैसे शब्दों के इस्तेमाल और ऋण माफी से संबंधित टिप्पणियों के लिए भेजा गया है। चुनाव आयोग ने गांधी को शनिवार शाम तक जवाब देने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई एक शिकायत के जवाब में आया है, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की गई थी। भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए अशोभनीय थी।इस बीच, पीएम मोदी पर निशाना साधने वाली अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी को चुनाव आयोग के नोटिस के जवाब में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसी भी औपचारिक संचार को संबोधित करने के लिए पार्टी की तत्परता की पुष्टि की है। खड़गे ने कहा, हमारे पास आने वाले किसी भी नोटिस का हम सामना करेंगे, यह पूर्व पार्टी अध्यक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों पर चुनाव आयोग की जांच में सहयोग करने की कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नोटिस में चुनाव आयोग ने गांधी को आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों की याद दिलाते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से प्रतिबंधित किया गया है।

चुनाव आयोग का हस्तक्षेप राजनीतिक चर्चा में मर्यादा बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि नेता नैतिक मानकों का खासकर चुनाव प्रचार के दौरान पालन करें। चुनावी राज्य राजस्थान में हाल की रैलियों के दौरान राहुल गांधी द्वारा 'पनौती' और 'जेबकतरे' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे राज्य के राजनीतिक माहौल में विवाद बढ़ गया है। कारण बताओ नोटिस गांधी को चुनाव आयोग के समक्ष अपने बयानों के इरादे और संदर्भ को स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करता है। शनिवार शाम तक आने वाली प्रतिक्रिया से इस बात पर प्रकाश पड़ने की उम्मीद है कि क्या गांधी की टिप्पणियां किसी विशिष्ट उद्देश्य से की गई थीं या वे एक बड़ी राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा थीं।

सुप्रीम कोर्ट की नोटिस पर बोले बाबा रामदेव, मेरे पीछे पड़ा मेडिकल माफिया, हम झूठा प्रोपेगेंडा नहीं कर रहे

योग गुरु बाबा रामदेव ने बुधवार को दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पतंजलि आयुर्वेद को कई बीमारियों के इलाज के लिए उसकी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में झूठे और भ्रामक दावे करने के खिलाफ चेतावनी देने के बाद मेडिकल माफिया उन्हें निशाना बना रहे हैं और उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम झूठे दावों के आधार पर पतंजलि आयुर्वेद उत्पादों का प्रचार नहीं कर रहे हैं। हमें पांच साल से निशाना बनाया जा रहा है। हम आयुर्वेद की मदद से बीमारियों को नियंत्रित करने और ठीक करने की कोशिश करते हैं लेकिन मेडिकल माफिया लगातार निशाना बना रहे हैं।बाबा रामदेव ने कहा कि पैसा सच और झूठ का फैसला नहीं कर सकता। उनके (एलोपैथी) पास अधिक अस्पताल, डॉक्टर हो सकते हैं और उनकी आवाज अधिक सुनी जा सकती है, लेकिन हमारे पास संतों के ज्ञान की विरासत है, हम गरीब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कल से अलग-अलग मीडिया साइट्स पर एक खबर वायरल हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट (स्ष्ट) ने पतंजलि को फटकार लगाई है। स्ष्ट ने कहा कि अगर आप गलत प्रचार करेंगे तो जुर्माना लगेगाज्‍ हम स्ष्ट का सम्मान करते हैं। लेकिन हम कोई गलत प्रचार नहीं कर रहे हैं। कुछ डॉक्टरों ने एक ग्रुप बना लिया है जो लगातार योग, आयुर्वेद आदि के खिलाफ प्रचार करता रहता है।

रामदेव ने साफ तौर पर कहा कि अगर हम झूठे हैं तो हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएं और हम मौत की सजा के लिए भी तैयार हैं। लेकिन अगर हम झूठे नहीं हैं तो उन लोगों को सज़ा दें जो सच में झूठा प्रचार कर रहे हैं। पिछले 5 सालों से रामदेव और पतंजलि को निशाना बनाकर प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है। आपको बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव द्वारा सह-स्थापित और हर्बल उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को कई रोगों के संबंध में अपनी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में "झूठे" और "भ्रामक" दावे करने के प्रति मंगलवार को आगाह किया था। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी में कहा, "पतंजलि आयुर्वेद के ऐसे सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा।

नई पेंशन स्कीम को समाप्त कर की जाय गारंटेड पेंशन स्कीम लागू

नई दिल्ली। समाप्त करके गारंटीड पेंशन स्कीम छ्वष्टस् पेंशन रूल्स लागू करने हेतु भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए धरना प्रदर्शन में हेमन्त कुमार विश्वकर्मा महामंत्री, स्नक्रस् के नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के झांसी एवं कारखाना मण्डल के कार्यकर्ताओं ने भी भारी संख्या में भाग लेकर केंद्र सरकार से नई पेंशन स्कीम समाप्त कर गारंटेड पेंशन स्कीम CCS Pension Rules 1972 लागू करने की मांग की। रेलवे के अतिरिक्त डिफेन्स, पोस्टल, आरएमएस,ESI, EPF, व भारतीय मजदूर संघ से सम्बंधित अन्य सरकारी कर्मचारी संगठन ने भाग लिया।सर्व विदित है कि तत्कालीन केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2004 से पुरानी पेंशन

स्कीम CCS पेंशन रूल्स 1972 को समाप्त कर कंट्रीब्यूटी पेंशन स्कीम लागू की जिसका भारतीय मजदूर संघ शुरू से ही विरोध कर रही है क्योंकि पुरानी पेंशन के अंतर्गत सेवानिवृत के समय अंतिम वेतन का 50त्न पेंशन के रूप में प्रदान किया जाता था और मूल्य सूचकांक के साथ जुड़ा होने से वर्ष में दो बार जनवरी और जुलाई में महंगाई भत्ता भी प्राप्त होता था।जबकि ह्वक्कस् बाजार आधारित पेंशन होने के कारण इसमें न कोई न्यूनतम पेंशन की व्यवस्था है और न ही महंगाई भत्ता है। सामाजिक सुरक्षा के नाम पर मिलने वाली पेंशन से वंचित सभी केंद्रीय कर्मचारी, राज्य कर्मचारी के लिए सभी वक्ताओ ने भारत सरकार से मांग की कि नई पेंशन स्कीम को समाप्त कर गारंटेड पेंशन स्कीम लागू की जाय अर्थात छ्वष्टस् पेन्शन स्कीम को लागू किया जाय।वक्ताओ में मुख्य रूप से हिरण्मय पांड्या (राष्ट्रीय अध्यक्ष, BMS), रविन्द्र हिमते (महामंत्री, BMS), बी सुरेंद्रन (संगठन मंत्री, BMS), अशोक शुक्ला (प्रभारी, BMS), एम एम देशपांडे (महामंत्री, BMS), साधु सिंह (महामंत्री, त्नश्वह्रष्ट) आदि अन्य वक्ताओ ने सम्बोधित किया।

पुरानी पेंशन को लागू करने हेतु सरकार को चेताने के लिए विशाल रैली,धरना आयोजन किया गया। कर्मचारियों के हुजूम को देखकर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने प्रतिनिधिमण्डल को वार्ता हेतु बुलाया और आश्वस्त किया कि पुरानी पेंशन के लिए कर्मचारियों के हित में सकारात्मक कदम उठाये जायेंगे।इस कार्यक्रम में झांसी से मुख्य रूप से सी के चतुर्वेदी संगठन मंत्री, हेमंत कुमार विश्वकर्मा महामंत्री, संजीव वर्मा, रामसिंह परिहार, दयानिधि, राजकुमार, मोहित, कपीश ,नीरज, सतीश गुप्ता, नीरज, अरुण, पंकज, इत्यादि अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

एक करोड़ का जुर्माना लगा देंगे अगर पतंजलि को भ्रामक विज्ञापन पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

एलोपैथिक दवाओं को निशाना बनाकर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पतंजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने पतंजलि को चेतावनी दी कि अगर यह गलत दावा किया गया कि उसके उत्पाद कुछ बीमारियों को ठीक कर सकते हैं तो उस पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया कि वह भविष्य में ऐसे किसी भी भ्रामक विज्ञापन का प्रकाशन बंद करे। अदालत ने कहा कि पतंजलि को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह प्रेस में आकस्मिक बयान देने से बचे।अदालत ने यह निर्देश इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा दायर एक याचिका पर विचार के दौरान दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन एलोपैथी को नीचा दिखाते हैं और कुछ बीमारियों के इलाज के बारे में झूठे दावे करते हैं। आईएमए ने आगे तर्क दिया कि पतंजलि के दावे असत्यापित हैं और ड्रग्स एंड अदर मैजिक रेमेडीज एक्ट, 1954 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 जैसे कानूनों का सीधा उल्लंघन हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से इस संबंध में व्यावहारिक सिफारिशें पेश करने को भी कहा और सुनवाई 5 फरवरी, 2024 के लिए तय की।

हलाल प्रोडेक्ट पर शासन हुआ सख्त, शुरू हुई छापेमारी

खाध विभाग की टीम ने बडा चौराहा स्थित शापिंग मॉल में की छापेमारी

मुस्लिम समुदाय द्वारा कार्यवाई का किया जा रहा विरोध मुस्लिम संस्थाओं की बयानबाजी शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। भारत देश में कोई भी नियम या आदेश केंद्र या राज्य सरकार द्वारा दिये जाते है और विभागों द्वारा उसे क्रियान्वित किया जाता है लेकिन जनता के लिए बने उत्पादों में हलाल प्रोडेक्ट का प्रमाणपत्र कोई आधिकारिक अथवा सरकारी संस्था नही देती बल्कि कई निजी कम्पनियां ओर ऐजेसिंया प्राइवेट तौर पर हलाल प्रमाण मुहैया कराती है और बडी बात यह कि कई महीनों से चल रहे इस खेल पर किसी विभाग की नजर नही गयी।

यह देश के लिए एक बडे षडयंत्र के रूप में देखा जा रहा है तो वहीं जानकरों की माने तो इसमें विदेशी ताकतों का भी हाथ हो सकता है। फिलहाल अब प्रशासन सचेत हुआ है और हलाल प्रमाणापत्र देने के साथ उन उत्पादों की कम्पनियों पर कार्यवाई के आदेश दिये है, जिसके बाद कानपुर के एक मॉल में खाध विभाग द्वारा छापेमारी की गयी।भारत देश में उत्पादित वस्तुओं पर किसी प्रकार के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नही होती लेकिन मानकों की देखरेख के लिए कुछ सरकारी नियम अवश्य है, बावजूद इसके सरकार के ही समानान्त एक हलाल प्रोडेक्ट प्रमाणपत्र का खेल चल रहा है और अब लखनऊ में जब इस पर मामला दर्ज किया गया तो सरकार द्वारा कडा एक्शन लिया गया है।

कार्यवाई के अतंगत उ0प्र0 के सभी जिलों में सोमवार को खाध विभाग द्वारा छापेमारी शुरू कर दी गयी है। जहां अभी तक इसे लेकर व्यापारियो में किसी प्रकार की हलचल नही देखी जा रही है तो समुदाय विशेष के लोगों ने इस पर आपत्ति उठानी शुरू कर दी है। कुछ मुस्लिम संस्थाओं ने बयानबाजी भी शुरू कर दी है। कानपुर के बडे चौराहा स्थित शापिंग मॉल में विभाग द्वारा छापमारी की गयी, हलांकि जिस प्रोडक्ट पर रोक लगाइ गयी है वह प्रोडेक्ट विभाग की टीम को नही मिले लेकिन फिर भी अधिकारियों द्वारा मॉल में बने सभी फूड कोर्ट में चेकिंग की गयी। छापेमारी के दैरान खाध सुरक्षा अधिकारी प्रदीप पटेल का कहना है कि यहां कोई हलाल प्रोडेक्ट तो नही मिला लेकिन कार्यवाई जारी रहेगी और अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की जायेगी साथ ही इसके लिए कई टीमों का गठन भी जल्द ही किया जायेगा। जहां इस कार्यवाई पर मुस्लिम संगठनों द्वारा आवाज उठनी आरम्भ हो गयी है तो वहीं सहरानुपर में भी जीमयत उलमा-ए-हिंद के हलला ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियाज अहमद फारूखी का बयान सामने आया है, उन्होने कहा कि हलाल लिखे उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना गलत है और इसे लेकर वह कोर्ट का दरवाजा भी खटखटायेंगे।

अल्टीमेट खो खो के लिए खिलाडियों का हुआ चयन

लखनऊ। ओडिशा जगरनॉट्स, चेन्नई क्विक गन्स, गुजरात जायंट्स, मुंबई खिलाड़ी, राजस्थान वॉरियर्स और तेलुगु योद्धा जैसी छह टीमें हैं जो अल्टीमेट खो खो टूर्नामेंट में अपना कौशल दिखाएंगी।अल्टीमेट खो खो के दूसरे सीजन के लिए नीलामी मंगलवार को भुवनेश्वर में आयोजित की गई, जहां कुल छह फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों का चयन किया।ए श्रेणी में 30 खिलाड़ियों को 6-6 लाख रुपये में चुना गया, जबकि बी श्रेणी में 36 खिलाड़ियों को 5-5 लाख रुपये में शामिल किया गया। कैटेगरी सी में 55 खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये में शामिल किया गया और कैटेगरी डी में 24 खिलाड़ियों को 1.5 लाख रुपये में मौका मिला। कुल 3.90 करोड़ रुपये आवंटित किया गया। सभी टीमों को 18 खिलाड़ी रखने का निर्देश दिया गया।

खो खो के रविकांत मिश्रा ने बताया सभी टीम मालिकों को उनके संबंधित ड्राफ्ट अनुक्रम और खेल क्षमता के आधार पर खिलाड़ियों को चयन करने का विकल्प प्रदान किया गया था। पूल में कुल 245 खिलाड़ी थे और उन्हें तीन खंडों में बांटा गया था। जिन खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किए गए खिलाडियों को पॉवर प्लेयर्स श्रेणी कहा जाता है। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, अल्टीमेट खो-खो ने उस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है जो पहले ग्रामीण क्षेत्रों या समुदायों से संबंधित था।

उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी ने बिजली उपभोक्ताओं को दी बड़ी राहत

कानपुर केस्को ने बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए हर क्षेत्र में लगाए कैंप कैंप लगाने के बावजूद नहीं दिख रही कैंप में बकायेदारों की भीड़

बीपीएस न्यूज संवाददाता

कानपुर। बिजली के बकायेदार उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने एक मुस्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू की है। जिसके तहत बकायेदार अपनी सुविधा अनुसार एक मुस्त या किस्तों में बिना ब्याज के अपना बकाया बिल आसानी से जमा कर सकता है।

जिसके अंतर्गत कानपुर केस्को ने अपने बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए हर क्षेत्र में कैंप लगा रखा है। बिजली का बकाया बिल आप आसानी से जमा कर सके इसके लिए योगी सरकार ने समाधान आसान किया है, इसके अंतर्गत बिजली बकायेदार को बकायदारो की सूची से अपना नाम कटवाने का सुनहरा मौका मिल गया है।

योजना का लाभ उठाने के लिए बिजली बकायदारों को निकटतम एसडीओ ऑफिस, विभागीय कलेक्शन सेंटर, जन सुविधा केंद्र या विभाग की वेबसाइटU uppcl.org पर जाएं या अधिक जानकारी के लिए 1912 पर निशुल्क कॉल करें। इसके बावजूद केस्को ने बिजली उपभोक्ताओं को कोई समस्या ना हो इसके लिए हर क्षेत्र में अपने कैंप लगा रखे हैं।

एक मुस्त समाधान योजना (ओटीएस) के अंतर्गत पंजीकरण कराने पर किसानों को, घरेलू , व्यावसायिक एवं औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ताओं के बिजली बिलों के बकाये सरचार्ज में भारी छूट मिलेगी। बिजली चोरी के बकायेदारों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिया जाएगा।

बकाया बिजली उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराने के लिए यह योजना तीन अवधि में लागू है।

प्रथम अवधि 08/ 11/ 2023 से 30/ 11/ 2023 तक
द्वितीय अवधि 01/ 12/ 2023 से 15/ 12/ 2023 तक
तृतीय अवधि 16/ 12/ 2023 से 31/ 12/ 2023 तक

सबसे ज्यादा ओटीएस का लाभ 8 नवंबर से 30 नवंबर तक पंजीकरण कराने वाले बिजली उपभोक्ताओं को 100त्न छूट का लाभ मिलेगा।

वहीं बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए चार राड चौराहा, बाकरगंज में पिंटू यादव जे. ई. ने कैंप लगाया। एच ब्लॉक, किदवई नगर से सुधीर जायसवाल जे.ई. ने 10 दुकान किदवई नगर में कैंप लगाया।

सुधीर जायसवाल ने बताया की योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को दिनांक 31 अक्टूबर 2023 तक के अपने मूल बकाए का 30त्न पंजीकरण राशि के रूप में जमा करना होगा, इसके बाद ही वह छूट का हकदार होगा। वहीं

40 दुकान, किदवई नगर जे.ई. रवींद्र अग्निहोत्री ने कैंप नहीं लगाया था। पूँछने पर बताया कि हमारे यहां दो ही फीडर हैं और क्षेत्र छोटा है। हमारे यहां लोग जागरुक है, अधिकतर बिजली उपभोक्ता समय से बिजली का बिल जमा कर देते हैं। जिससे यहां पर ज्यादा बिजली का बिल बकाया नहीं है, इसलिए कैंप लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

नलकूप के उपभोक्ताओं को छूट का लाभ लेने के लिए दिनांक 31 मार्च 2023 तक के अपने मूल बकाए का 30त्न पंजीकरण राशि जमा करना होगा।

परमपुरवा जे.ई. कादिर ने भी जालपा मंदिर के पास कैंप लगा रखा था।

बारादेवी के सुनील प्रभात ने लाल पैलेस के पीछे गली में कैंप लगाया हुआ था। सभी जे.ई. ने बताया कि प्रतिदिन जगह बदलकर कैंप लगाया जा रहा है। जिससे उपभोक्ताओं को कोई भी परेशानी का सामना न करना पड़ सके और आसानी से छूट का लाभ उठा सके ।हांलकी इसके बावजूद भी किसी कैंप में भीड़ नहीं दिख रही थी।

पोस्टमार्टम हाउस में तांत्रिक ने की शव को जिंदा करने की जिद

लोगों की बढती भीड के कारण पुलिस ने तांत्रिक को किया मना, हुई कहा-सुनी

कानपुर नगर, समय-समय पर समाचारपत्रों के माध्यम से अंधविश्वास से जुडी घटनाओं और उनके कारण तबाह होने वाले परिवारों की कहानिंया-किस्से हमारे सामने आते रहते है। कहीं शव को जिंदा करने की जिद, कहीं खजाने की जानकारी करना, कहीं सम्पत्ति दिलाना तो कहीं बिछडे प्रेमियों को मिलने का कम आज भी सभ्य समाज के बीच रहकर यह तांत्रिक करते आ रहे है और लोग भी जाहिलों की तरह इनके बहकावे में आ जाते है। कुछ ऐसा ही मामला तब सामने आया, जब कानपुर के पोस्टमार्टम हाउस में पुलिस की उपस्थिति में एक शव के परिजनों के साथ आये तांत्रिक ने शव को जिंदा करने का दांवा कर दिया और अपनी तांत्रिक क्रियाओं को अंजाम देने लगा। इतना ही नही वह शव के साथ कुछ घंटों के लिए सो भी गया। यह खबर आग की तरह फैली और पोस्टमार्टम हाउस में लोगों की भीड लगना शुरू हो गयी।

घटनाक्रम कुछ यूं रहा कि घाटमपुर के भैरमपुर में रहने वाले 48 वर्षीय रामबाबू को सांप ने काट लिया था, जिसका पंचनामा भरकर पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए लाई थी। अब कहानी यहीं से शुरू होती है। कई कहानियों में ऐसा दर्शाया गया है और यह प्रचलित भी है कि अधिकांश अवस्था में सांप के काटने पर व्यक्ति की मौत नही होती और तंत्र-मंत्र की सहायता से उसे जीवित किया जा रहा है। शायद इसी कहानी पर विश्वास कर मृतक रामबाबू के परिजन एक अधेड उम्र के तांत्रिक सरताज के साथ शव में पुन: जान डलवाने के लिए पोस्टमार्टम हाउस जा पहुंचे।

पहले वहां तांत्रिक ने कहा कि वह शव को पुन: जिन्दा कर देगा। अब वहां और भी शव थे लेकिन सभी तांत्रिक की इस बात पर विश्वास करने लगे तो वहीं भी खामोश रही। तांत्रिक ने शव के आस-पास पानी छिडकते हुए मंत्र बुदबुदाना शुरू किया और फिर लाश के पास ही सो गया। काफी देर तक यह नजारा चलता रहा और खबर फैलने के साथ ही सैकडों लोगों की भीड पोस्टमार्टम में एकत्र हो गयी। अब पुलिस द्वारा तत्काल एक्शन लेने हुए तांत्रिक को एसा करने से मना किया गया। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया में खूब फैला और लोग बडे चाव से पूरे मामले की जानकारी लेते नजर आये।

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जुहारी देवी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज की प्रचार्या प्रो.ममता वर्मा के संरक्षण एवम महाविद्यालय की मतदान नोडल अधिकारी प्रो.कल्पना गौड़ मैम के मार्गदर्शन में मतदान जागरूकता अभियान का एक सफल आयोजन किया गया। इस अभियान में जुहारी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज से शुरू होकर *पनचक्की चौराहा* से होते हुए फूलबाग तक एक रैली निकाली गयी। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रागिनी कुमारी के नेतृत्व में सभी स्वयंसेविकाओं ने बढ़ ङ्क चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई व अपने द्वारा कई प्रकार के स्लोगन व पोस्टर बनाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरुक किया।

सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो

बनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो प्यारे मतदाताखुलकर के नारे लगाए व शहर वासियों को मतदान के महत्व से अवगत कराया , मतदान का प्रयोग हर व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है और हर व्यक्ति को अपना कर्तव्य समझते हुए मत का प्रयोग करना चाहिए, ये संदेश जन जन तक पहुंचने का बहुत अच्छा प्रयास किया। स्वतंत्रता का सबसे बेहतर तोहफा हमें मताधिकार के रूप में मिला है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहां पर हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

मतदान जागृति अभियान के इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेविका -विनीता, यचिका, साइना, पूजा, मानसी, पूनम, खुशी, रुचि, शिवानी, कोमल, सुनीता, आदि ने मतदान के महत्व को अपने नारे के माध्यम से बताया। मतदान के लिए प्रत्येक मतदाता को जागरूक होना चाहिए ताकि वह अपना कीमती वोट सही उम्मीदवार को देकर भारत के उज्जवल भविष्य का निर्माण करें।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के कर्मचारियो का भी पूरा सहयोग रहा।

अब नई बीमारी की सूचना से डर रहे शहरवासी

चीन में एक और वायरस फैलने की खबर से लोगों में दहशत डाक्टरों की माने तो अभी भारत में नही इसका प्रभाव

कानपुर नगर, जिस प्रकार 2019 में कोरोना वायरस ने चीन से चलकर पूरे विश्व में कहर बरपा दिया था, वह यादे अभी लोगों के मस्तिष्क से भूमिल भी नही हो पाई कि अब चीन में एक और वायरस फैलने की खबर से लोगों में दहशत हो गयी है। इस बीमारी अभी केवल बच्चों में देखा जा रहा है लेकिन सोशलमीडिया के माध्यम से चीन में बच्चों के जो हालात सामने आये है उसने एक बार फिर डाक्टरों को भी चितिंत कर दिया है। वहीं डाक्टरो की माने तो समाचार सही है लेकिन अभी भारत में इसका कोई भी प्रभाव नही पडा है साथ ही उन्होने सतर्कता बरने और बाहर मास्क लगाकर ही रखने की सलाह दी

है।भारत में मौसम परिर्वतन के साथ अक्सर लोगों को सीजनी वायरल खासीं, जुखाब, बुखार होता है। जब यह बढता है तो इसे निमोनिया का नाम दिया जाता है। खासतौर पर छोटे बच्चों में यह बीमारी ज्यादा पायी जाती है, जिसका इलाज तो लम्बा है लेकिन सहज भी है। अब चीन से कुछ ऐसी फोटुए सामने आई है, जिसमें बच्चों को निमोनिया की शिकायत पाई गयी है और वह भी इतनी गंभीर कि उसके भंयकर परिणाम सामने आये है, जिसे देखकर दुनिया फिर सहम उठी है। वहीं डाक्टरों का कहना है कि सामाचार तो सत्य है लेकिन अभी भातर में इसका कहीं भी प्रभाव देखने को नही मिला है तो वहीं कहा कि व्यक्ति को एहतियात बरतना होगा और घर से निकलते समय मुंह में मास्क लगाकर निकलने की सलाह दी गयी है साथ ही कहा कि यदि सर्दी के जरा से भी सीमटेंस दिखाई देते है तो तत्काल डाक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी।

विश्वस्तरीय प्रोमेड संस्था ने दी नये निमोनिया वायरस की जानकारी

2019 में जब चीन से कोरोना वायरस सक्रीय हुआ था तो इसकी जानकारी सर्वप्रथम एक विश्वस्तरीय संस्था प्रोमेड द्वारा दी गयी थी और एक बार भी इसी प्रोमेड संस्था ने चीन में नये वायरस बढने की जानकारी दी है। दूसरी तरफ डब्ल्यूएचओ द्वारा चीन से इस बारे में जानकारी भी मांगी गयी है कि आपके यहां ये चल क्या रहा है। बतादें के बीते अक्टूबर मांस से चीन में बच्चों को निमोनिया की ही तरह एक बीमारी ग्रसित कर रही है, जिसमें फेफडों का जाम होना ओर सांस न ले पाने के लक्षण सामने आये है और अब प्रीमेड द्वारा दी गयी इस जानकारी के बाद पूरे विश्व की निगाहे एक बार फिर चीन की तरफ गड गयी है।

सही मदद सही तरह दी जाये तो बचाया जा सकता है जीवन : लखन शुक्ला

आपदा प्रबंधन की कार्यशाला में ट्रैफिक पुलिस ने सीखा दुर्घटना में जीवन कैसे बचाएं

कानपुर। कानपुर नगर में यातायात व्यवस्था को सुधार के लिए नित्य प्रतिदिन प्रयासरत पुलिस आयुक्त डॉ आर के स्वर्णकार व संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी के निर्देशन में यातायात पुलिस लाइन कानपुर में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी कानपुर द्वारा प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण यातायात पुलिस को दिया गया प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ डी.सी.पी यातायात और रेड क्रॉस के सचिव आर के सफड ने किया प्रशिक्षण लखन शुक्ला मास्टर ट्रेनर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी कानपुर द्वारा दिया गया प्रशिक्षण में लखन शुक्ला ने बताया यदि कोई एक्सीडेंट या आपदा में घायल होता है तो हमें उसकी मदद करनी चाहिए जिसके लिए लुक लिसेन एंड फील पद्धति द्वारा मरीज की स्थिति को देखते हैं प्रशिक्षण में सीपीआर द्वारा कृत्रिम श्वास देकर मरीज के जीवन को कैसे बचाये का डेमो दिया गया किसी घटना दुर्घटना के तीन कारण लापरवाही अज्ञानता जल्दबाजी है घायलों के मरने का सबसे बड़ा कारण समय पर उन्हें फस्ट एड नहीं मिल पाती है ।यदि हम घायल को गोल्डन आवर में मदद दे सबसे पहले रक्तस्राव को रोके रक्तश्राव रोकने हेतु तिकोनी पट्टी का प्रयोग बताया गया सी पी आर द्वारा कृतिम श्वांस के माध्यम से जीवन बचाने के तरीके सिखाया , टी आई मनोज कुमार सिंह ने बताया मास्टर ट्रेनर लखन शुक्ला द्वारा सी पी आर के माध्यम से हृदय गति के मरीजों को कृतिम श्वास इलेक्ट्रिक अटेक बर्न एसिड बर्न में प्राथमिक उपचार का डेमो दिया गया, टीआई विनय कुमार सिंह ने बताया लखन शुक्ला ने टू हैंडसीट श्री हैंडसीट तथा फोर हैंडसीट द्वारा रेस्कू कर घायल को ट्रांसपोर्ट करने का लाइव डेमो दिया गया, इस दौरान यातायात पुलिस के सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।